!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11 । अंक 107 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेशनल सिविल सर्विस-डे पर अधिकारियों को सम्मानित किया

जनसेवा का प्रभावी माध्यम सिविल सेवा : सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्रशासन अकादमी में आयोजित सिविल सेवा दिवस समारोह 2025 को किया संबोधित

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिविल सेवा सिर्फ़ एक पेशा नहीं, यह जनसेवा का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे अपने अधिकारों का निःसंदेह सदुपयोग करें, लेकिन अपने कर्तव्यों से कदापि विमुख न हों। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन एक वृहद विषय है। इसका मूल मंत्र है - 'लोगों की हर संभव तरीके से सेवा'। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस (नेशनल सिविल सर्विस डे) के अवसर पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी सिविल सेवकों को लोक सेवा दिवस की बधाई दी और सभी से अपने उत्तरदायित्वों के प्रति संकल्पबद्ध रहने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक सेवा एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा, समर्पण, मनोयोग के साथ निभाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के चयनित 16 सिविल सेवकों (अधिकारियों) को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी अवार्डियों को उनके द्वारा किए गए नवाचारों के लिए बधाई देकर एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक कुशल सिविल सेवक वह होता है, जो न केवल शासन के नियमों, उपनियमों का पालन करे, बल्कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता की कठिनाइयों एवं समस्याओं को समझे और उन्हें समुचित समाधान भी प्रदान करें। उन्होंने सभी सिविल सेवकों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों की तत्पर सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और शासन को जनकल्याण की दिशा में अधिक प्रभावी बनाने की ओर अग्रसर करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे कामों और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। इसीलिए सभी लोक सेवक शासन व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और लोक जवाबदेही की भावना को और मजबूत करने की दिशा में कार्य करें। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे, नरोन्हा व्याख्यान श्रृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. दीपक बागला, राज्य शासन के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत@2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य के लोकसेवकों ने अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाया है। जमीनी स्तर पर अधिकारियों द्वारा किए जा रहे नवाचारों को संकलित कर सुशासन के लिए योजना तैयार करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना और विकास में चाणक्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि महामंत्री चाणक्य ने सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया था और वे स्वयं मंत्री बने थे, जिससे एक शक्तिशाली राजवंश में प्रशासन की व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद देश के भविष्य की नींव तैयार करने के लिए लोक सेवक व्यवस्था को विस्तार दिया और उनके लिए सेवा नियम (सर्विस रूल्स) तैयार किए। उन्होंने लोक सेवकों के लिए तीन बातों- डिग्निटी, इंटीग्रिटी और इंकरप्टिबिलिटी को रेखांकित किया था।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि हर साल 21 अप्रैल अधिकारी/कर्मचारियों के लिए आत्ममंथन करने का दिन है। लोक सेवकों को सोचना चाहिए कि सालभर में उन्होंने जनसेवा और प्रशासन की मजबूती के लिए क्या अच्छा किया और इसके आगे क्या बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वास दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 के मिशन को पूरा करने में प्रदेश की भूमिका और विकसित मध्यप्रदेश के लिए सभी लोकसेवक कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रदेश के सभी अधिकारी ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के लिए मिशन मोड में कार्य कर रहे हैं। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि न्यू इंडिया का सपना साकार करने में अनुभवी अधिकारियों के साथ युवा अफसरों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है।

16 लोकसेवकों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वित्त वर्ष 2022-23 तथा 2023-24 के लिए 16 लोक सेवकों में क्रमशः माधव प्रसाद पटेल (माध्यमिक शिक्षक), श्रीमती अदिति गर्ग (तत्कालीन सीईओ आयुष्मान भारत निरामयम योजना), डॉ. इंदिरा दांगी (शिक्षक) आष्टा जिला सीहोर, श्रीमती शारदा डुडवे (माध्यमिक शिक्षक) चंद्रशेखर आजाद नगर, आलोक पौराणिक प्राथमिक शिक्षक पथरिया जिला दमोह, चंद्रमोहन ठाकुर तत्कालीन प्रबंध निदेशक भवन विकास निगम, डॉ. यशपाल सिंह प्राचार्य आवासीय विद्यालय भोपाल, संजय जोशी प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, अमित तोमर तत्कालीन प्रबंध संचालक पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर, ऋषव गुप्ता पूर्व कलेक्टर देवास, गणेश शंकर मिश्रा तत्कालीन प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी, दिव्यांक सिंह तत्कालीन सीईओ स्मार्ट सिटी परियोजना इंदौर, प्रवीण सिंह अढायच पूर्व कलेक्टर सीहोर, प्रो. बेला सचदेवा सहायक प्राध्यापक इंदौर, भूपेंद्र कुमार चौधरी माध्यमिक शिक्षक चिमनाखारी जिला सिवनी तथा सुशीला दाहिमा अतिरिक्त सचिव शिक्षा विभाग को नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए।

पीएम मोदी और उप राष्ट्रपति वेंस की बैठक

द्विपक्षीय व्यापार समझौते सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी ● नई दिल्ली

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चल रही वार्ता में महत्वपूर्ण प्रगति का स्वागत किया। इस समझौते में दोनों देशों के लोगों की भलाई पर फोकस किया जा रहा है।

चर्चा

पीएम ने वेंस और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। इस बैठक में बाइलेट्रल ट्रेड डील, ऊर्जा, रक्षा और स्ट्रेटिजिक टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया और इन मुद्दों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर दिया। इससे पहले पीएम मोदी ने आवास के गेट पर वेंस परिवार को रिसीव किया। उन्होंने वेंस, उनकी पत्नी उषा और तीनों बच्चों- इवान, विवेक और मिराबेल को अपने आवास का गार्डन दिखाया। पीएम ने बच्चों को मोरपंख भेंट किए। साथ ही वेंस परिवार को भारत आने पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप के लिए भी शुभकामनाएं भेजीं और कहा कि वे उनके भारत दौरे का इंतजार कर रहे हैं।

जेडी वेंस सोमवार सुबह 10 बजे परिवार के साथ 4 दिन के दौरे पर भारत पहुंचे। यहां केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें रिसीव किया। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वेंस, उनकी पत्नी और बच्चों के सामने कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य पेश किया। इसके बाद वेंस परिवार के साथ दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर गए। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस का पहला आधिकारिक भारत दौरा है। वह दिल्ली के अलावा जयपुर और आगरा भी जाएंगे। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पीएम मोदी की मुलाकात के बाद परिवार समेत जयपुर पहुंच गए हैं। वे मंगलवार को आमेर में घूमेंगे।

टैरिफ वॉर के बीच भारत दौरा

उपराष्ट्रपति वेंस की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका ने कई देशों पर जवाबी टैरिफ लगाए हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। अमेरिका ने 90 दिनों के लिए 10% की दर से सीमित टैरिफ लगाए हैं, ताकि बातचीत का मौका मिल सके। भारत और अमेरिका के बीच इसी सिलसिले में व्यापार समझौते की वार्ता तेज हो गई है।

अमेरिका में राहुल गांधी ने मतदान प्रक्रिया पर उठाए सवाल

बोले - भारत में चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया...

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने 'समझौता कर लिया है' और 'प्रणाली में कुछ गड़बड़ है'। राहुल गांधी शनिवार को अमेरिका पहुंचे।

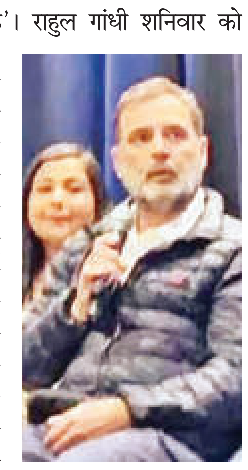

उन्होंने रविवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''यह हमारे लिए बिल्कुल स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और यह भी स्पष्ट है कि प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। मैं कई बार यह बात कह चुका हूं।'' उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया। ऐसा होना असंभव है। एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर हिसाब लगाएं तो इसका मतलब है कि मतदाताओं की कतारें देर रात 2 बजे तक लगी रही होंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।' सरल शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, ''जब हमने उनसे वीडियोग्राफी के लिए कहा, तो उन्होंने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि उन्होंने कानून भी बदल दिया ताकि अब हमें वीडियोग्राफी के लिए कहने की अनुमति न मिले। अमेरिका पहुंचने के बाद राहुल गांधी ने कारोबारी और भारतवंशी समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत शुरू की। वह 22 अप्रैल को रोड आइलैंड में ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे। ब्राउन यूनिवर्सिटी में गांधी एक व्याख्यान देंगे और संकाय सदस्यों तथा छात्रों के साथ बातचीत भी करेंगे।

पश्चिम बंगाल में लागू होगा राष्ट्रपति शासन? मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील विष्णु जैन

एजेंसी ● नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव और अन्य मौकों पर हुई हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग सुप्रीम कोर्ट में उठी है। एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने बंगाल चुनाव के बाद 2022 में याचिका दाखिल की थी, जिस पर मंगलवार को सुनवाई होनी है। इससे पहले उन्होंने सोमवार को आवेदन दाखिल करते हुए कहा, 'कल मामला सुनवाई के लिए लगा है। मैं कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में शांति सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट केंद्र को फोर्स तैनात करने का आदेश दे।

सुनवाई

जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई ने उनसे कहा कि आप चाहते हैं कि वह इसे लागू करने के लिए राष्ट्रपति को परमादेश दें। उन्होंने कहा, 'आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को दखल का आदेश दें? हम पर पहले ही कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण का आरोप लग रहा है। जस्टिस गवई ने उन आरोपों का जिक्र किया है, जो तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पर लग रहे हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोर्ट के इस फैसल की कड़ी आलोचना की थी। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने भी कहा कि अगर सारे फैसले सुप्रीम कोर्ट लेगा तो संसद और विधानसभा को बंद कर देना चाहिए।

दो याचिकाएं पुन: दाखिल करने की अनुमति

मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर दाखिल 2 याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने सुनने से मना कर दिया है। दो वकीलों शशांक शेखर झा और विशाल तिवारी ने अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की थीं। मामला जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच में सुनवाई के लिए लगा था। कोर्ट ने याचिकाओं को बिना उचित तैयारी के दाखिल बताया। जज का कहना था कि याचिका पीड़ितों के हित की बात कहती है। लेकिन अगर कोर्ट कोई राहत देना भी चाहे, तो ऐसी याचिका के चलते यह संभव नहीं। इस पर वकील ने बेहतर याचिका दाखिल करने की अनुमति मांगी। जजों ने याचिकाकर्ताओं को संशोधित याचिका दाखिल करने की अनुमति दी है।

सांसद दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका की तैयारी

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा न्यायापालिका पर की गई टिप्पणी पर विवाद हो गया है और अब उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की तैयारी हो रही है। सोमवार को जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के सामने एक याचिका आई, जिसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की हालिया टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मांगी गई। इस पर पीठ ने कहा कि आप इसे दायर करें, याचिका दायर करने के लिए आपको हमारी मंजूरी की जरुरत नहीं है। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील अनस तनवीर ने दायर की है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी को पत्र लिखकर उनकी मंजूरी मांगी है।

पोप फ्रांसिस का निधन, विश्व भर के नेताओं के दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ● वेटिकन सिटी

पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। कार्डिनल केविन फेरेल, वेटिकन कैमरलेन्गो ने कहा, "सोमवार सुबह 7:35 बजे, रोम के बिशप फ्रांसिस पिता के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन प्रभु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था।' वह 88 वर्ष के थे और अपने 12 साल के पोप कार्यकाल में कई बीमारियों से पीड़ित रहे।

फ्रांसिस, पुरानी फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। युवावस्था में उनके एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था। उन्हें 14 फरवरी, 2025 को सांस की तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जो बाद में डबल निमोनिया में बदल गया। उन्होंने वहां 38 दिन बिताए। रविवार को पोप फ्रांसिस ने ईस्टर संडे के अपने संबोधन में विचार की स्वतंत्रता और सहिष्णुता का आह्वान किया। बेसिलिका की बालकनी से 35,000 से अधिक लोगों की भीड़ को ईस्टर की शुभकामनाएं देने के बाद, फ्रांसिस ने अपने पारंपरिक उर्बी एट ओर्बी* (शहर और दुनिया के लिए*) आशीर्वाद को पढ़ने का काम एक सहयोगी को सौंप दिया।

पोप फ्रांसिस के निधन के समाचार से दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। पोप फ्रांसिस के निधन पर विश्व के नेताओं ने शोक जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत दुनिया के नेताओं ने उन्हें अपनी श्रद्धांजली दी और उन्हें ऐसे शख्स के रुप में याद किया जो गरीबों, कमोजरों के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा। पीएम मोदी ने एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, "परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक

संवेदनाएं।* उन्होंने कहा, "पोप फ्रांसिस को दुनिया भर में लाखों लोग करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में हमेशा याद रखेंगे।*

पोप फ्रांसिस ने जीवनकाल में ही परंपराओं को सरल करने की कोशिश की थी, और अब उनकी अंतिम संस्कार भी उसी दिशा में होगी। वे वेटिकन में नहीं, बल्कि रोम के सैंटा मरिया मैगीओरे बेसिलिका में दफन किए जाएंगे। तीन परंपरागत ताबूतों की बजाय वे जिंक की परत वाली एक साधारण लकड़ी के ताबूत के साथ दफन होंगे। उनका पार्थिव शरीर सार्वजनिक दर्शन के लिए काटाफलक पर नहीं रखा जाएगा, बल्कि ताबूत में ही श्रद्धांजलि दी जाएगी। पोप की विशिष्ट "फिशरमैन रिंग" को हथौड़े से तोड़ दिया जाता है ताकि कोई उसका दुरुपयोग न कर सके। अंतिम संस्कार एक बहुत भव्य और पवित्र समारोह होता है, जिसमें: विश्वभर के नेता, राजनेता, धर्मगुरु और लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। यह समारोह सेंट पीटर्स स्क्वायर में होता है और दुनिया भर में लाइव प्रसारित होता है।

शिक्षा का अधिकार (RTE) सिर्फ एक कानून नहीं है... हर बच्चे का सपना...

दाखिले की प्रक्रिया को लेकर अब तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश ही नहीं

संवाददाता ● इंदौर

शिक्षा

शिक्षा का अधिकार (RTE) सिर्फ एक कानून नहीं, हर बच्चे का सपना है। खासकर उन मासूमों का, जो समाज के वंचित और कमजोर वर्ग से आते हैं। आरटीई (निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम) उनके लिए उम्मीद की एक किरण बनकर आया था। 2009 में लागू इस अधिनियम ने गरीब अभिभावकों को ये भरोसा दिया कि उनका बच्चा भी अच्छे स्कूल में पढ़ सकेगा, बड़े सपने देख सकेगा, लेकिन इस साल अब तक दाखिले की प्रक्रिया को लेकर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश सामने नहीं आए हैं, जिससे उन अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही है, जिनकी दुनिया उनके बच्चों के भविष्य में सिमटी हुई है। वे रोज़ उम्मीद लेकर अख़बार पलटते हैं, सरकारी वेबसाइट देखते हैं कि शायद आज कोई सूचना मिले या कोई रास्ता खुले।

गैर-अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित होती हैं - ये केवल एक आंकड़ा नहीं, हज़ारों परिवारों की उम्मीदों का सहारा है। लेकिन जब प्रक्रिया ही साफ नहीं हो, तो कैसे कोई भरोसा बनाए रखे? अब सवाल सिर्फ तारीखों का नहीं है, सवाल है उन नन्हीं आंखों में पल रहे सपनों का। सरकार से अनुरोध है कि जल्द से जल्द स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि हर बच्चे को उसका हक़ और हर मां-बाप को सुकून मिल सके। हर साल की तरह आरटीई के अंतर्गत कक्षा पहली से आठवीं तक की कक्षाओं में ऑनलाइन लॉटरी के जरिए एडमिशन मार्च-अप्रैल माह में पूरे कर लिए जाते हैं। पिछले वर्ष तक की बात करें तो 8 अप्रैल तक दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और बच्चों को स्कूलों में दाखिला मिल चुका था।

अभिभावकों में असमंजस

नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है और अप्रैल माह भी समाप्ति की ओर है, बावजूद इसके राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा अब तक कोई ठोस निर्णय या शेड्यूल जारी नहीं किया गया है। इससे न केवल अभिभावकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है, बल्कि हजारों बच्चों का भविष्य अधर में लटका नजर आ रहा है। कुछ अभिभावकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा"हम हर साल की तरह इस बार भी समय पर तैयारी कर रहे हैं, लेकिन प्रक्रिया कब शुरू होगी इसकी कोई जानकारी नहीं मिल रही है।" शिक्षा के अधिकार को लेकर सरकार की ओर से लगातार जागरूकता अभियान चलाए गए हैं, लेकिन समय पर प्रक्रिया न होने से योजना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

शासन-प्रशासन की घोर लापरवाही का खामियाज़ा उन हजारों वंचित परिवारों और उनके मासूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है, जो इस वर्ष की अधिकतम आयु सीमा 7 वर्ष पार कर रहे हैं। यह देरी न केवल उनके भविष्य के साथ अन्याय है, बल्कि शिक्षा के मौलिक अधिकार के साथ एक गंभीर मज़ाक भी है।

निजी स्कूलों में एडमिशन कराने को मजबूर

एक ओर निजी विद्यालयों में वार्षिक परीक्षाओं के तुरंत बाद ही नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो चुका है, वहीं दूसरी ओर आरटीई के अंतर्गत नामांकन प्रक्रिया को लेकर शासन की उदासीनता ने पालकों के मन में भ्रम और संशय की स्थिति उत्पन्न कर दी है। पात्र होने के बावजूद, गरीब और वंचित वर्ग के कई अभिभावकों को निजी स्कूलों में महंगी फीस चुकाकर अपने बच्चों का दाखिला करवाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

ऑनलाइन पोर्टल भी नहीं हुए अपडेट

अभिभावकों का कहना है कि संबंधित ऑनलाइन पोर्टल भी आज तक अपडेट नहीं किए गए है। हैरानी इस बात की है कि ये अब भी पुरानी स्थिति को ही दर्शा रहा है, जिससे न तो सटीक जानकारी मिल पा रही है और न ही समय रहते कोई निर्णय ले पा रहे हैं।

जल्द दौड़ेंगी 150 नई ई-बसें किराया सिटी बसों से कम

ग्रीन सेल मोबिलिटी प्रा.लि कंपनी को संचालन और देखरेख का जिम्मा

संवाददाता ● इंदौर

सुविधा

इंदौर सहित प्रदेश के 6 शहरों में इसी साल सितंबर और अक्टूबर से इलेक्ट्रिकि बसें चलने लगेंगी। केंद्र सरकार की योजना के अंतर्गत देश के 88 शहरों में साढ़े छह हजार से ज्यादा ई-बसें चलाई जानी हैं। इनमें से 582 बसें मप्र में चलाई जाएँगी, जिसमे सर्वाधिक 150 इंदौर में चलेंगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन ई-बसों का किराया मौजूदा सिटी बसों के मुकाबले काफी कम होगा।

इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर के लिए आवंटित की गई बसों में से 472 बसें मिडी ई-बस (26 सीटर) और 110 मिनी ई-बस (21 सीटर) रहेंगी। ई-बसों को चलाने और उनके रखरखाव का जिम्मा ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को सौंपा गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार 12 साल के लिए ऑपरेशनल एंड मेंटेनेंस कॉस्ट भी देगी। हाल ही में ई-बसों के संचालन को लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने एक बैठक ली थी। इसमें इनके संचालन को लेकर प्रजेंटेशन दिया गया था।

ई- बसों का संचालन जीसीसी (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर) मॉडल पर होगा। इसमें संबंधित फर्म बस खरीदेगी और उसके ड्राइवर, कंडक्टर, मेंटेनेंस की व्यवस्था भी खुद करेगी। इसके संचालन के लिए ऑपरेटर कंपनी को प्रत्येक बस 58 रुपए 14 पैसे प्रति किमी की दर से भुगतान किया जाएगा। इसमें भारत सरकार की तरफ से प्रति बस संचालन के लिए प्रति किमी 22 रुपए का भुगतान किया जाएगा, जबकि बाकी का भुगतान राज्य सरकार करेगी। लेकिन यह शर्त भी है कि हर बस प्रति दिन न्यूनतम 180 किमी की दूरी तय करेगी।

नायता मुंडला और चंदन नगर में डिपो

नई ई-बसों के लिए सभी 6 शहरों में 58 करोड़ रुपए की लागत से 10 डिपो बनाये जायेंगे। इंदौर के नायता मुंडला और चंदन नगर में 6 करोड़ की लागत से 2 डिपो बनाए जाएंगे। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर में भी दो- दो स्थानों पर डिपो बनाए जाएंगे। वही उज्जैन और सागर में एक-एक स्थान पर डिपो बनेगा। डिपो के निर्माण के लिए 60 फीसदी पैसा केंद्र सरकार का होगा और 40 फीसदी पैसा राज्य सरकार देगी। डिपो के लिए राज्य सरकार करीब 24 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

चार्जिंग स्टेशन

डिपो के पास ई- बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन भी बनाए जाएंगे। चार्जिंग स्टेशन के लिए बिजली की व्यवस्था केंद्र सरकार के जिम्मे रहेगी। इंदौर, भोपाल और ग्वालियर में दो-दो चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। वहीं, जबलपुर, सागर और उज्जैन में एक-एक चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा। करीब 60 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 9 चार्जिंग स्टेशन के लिए 41 किमी लंबी हाई टेंशन लाइन बिछाई जाएगी। इसके लिए केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता से विद्युत सब स्टेशन बनाए जाएंगे। इंदौर का चार्जिंग स्टेशन लगभग 21 करोड़ रुपये की लागत का बनेगा।

कॉमन मोबिलिटी कार्ड सिस्टम लागू होगा

बसों में टिकटिंग के लिए एक एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। बस का किराया जिले की एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल कमेटी) तय करेगी। इसके लिए आरटीओ से सलाह ली जाएगी। परिवहन सुविधा को बेहतर बनाने के लिए वन नेशन वन कार्ड लागू करने की तैयारी है। नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के लागू होने के बाद इन 6 शहरों में सार्वजनिक परिवहन टिकटिंग सेवाओं सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। यानी टिकट के लिए मल्टीपल कार्ड बनेंगे, जिसका उपयोग मेट्रो, साइकिल और बस में हो सकेगा।

चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद तक 10.26 करोड़ में तैयार हो रही सड़क

राजेंद्र राठौर और गोलू शुक्ला ने किया निरीक्षण

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम के अधोसंरचना विकास कार्यों के अंतर्गत चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद तक और सुनकर धर्मशाला से रावजी बाजार थाना तक निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण सोमवार को कार्यवाहक महापौर व जनकार्य प्रभारी राजेन्द्र राठौर तथा क्षेत्रीय विधायक गोलू शुक्ला ने किया।

चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद तक कि सड़क का निर्माण 10.26 करोड़ की लागत से किया जा रहा है, जिसकी कुल लंबाई 270 मीटर तथा चौड़ाई 18 मीटर है। यह कार्य वर्तमान में प्रगतिरत है और इसे समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को मौके पर ही दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी राठौर एवं विधायक शुक्ला द्वारा सुनकर धर्मशाला से रावजी बाजार चौराहा तक बन रही 100 फीट चौड़ी सड़क का भी जायजा लिया गया। इस सड़क की एक लेन, जो सुनकर धर्मशाला से प्रकाश का बगीचा तक जाती है, का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस मार्ग पर स्थित विद्युत पोल एवं ट्रांसफॉर्मर को हटाने की प्रक्रिया भी आरंभ कर दी गई है, जिसके लिए 1.25 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर जारी कर दिया गया है। इन विकास कार्यों के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा प्राप्त होगी, साथ ही यह सड़कें क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और अधिक मजबूत करेंगी। कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जनता को शीघ्र लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री डी आर लोधी, कार्यपालन यंत्री, संबंधित एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

भाजपा कार्यालय में विभिन्न मोर्चों की बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा

संवाददाता ● इंदौर

जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत संविधान निर्माण में अंबेडकर के योगदान और वक्फ सुधार जनजागरण अभियान पर विधानसभा स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने महिला मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा व अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक ली।

इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे, नगर महामंत्री सुधीर कोल्हे, हरप्रीत सिंह बक्शी, भारत पारख, घनश्याम शेर, महिला मोर्चा महामंत्री कंचन गिदवानी, उपाध्यक्ष वृंदा गौड़, पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर अध्यक्ष रघु यादव, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नगर अध्यक्ष शेख असलम आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हवा चलने से 2 डिग्री लुढ़का पारा, लेकिन लू के कारण बढ़ी परेशानी

संवाददाता ● इंदौर

बीते तीन दिनों के दौरान शहर में दिन और रात के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों ने रविवार से तापमान बढ़ने की संभावना जताई थी, लेकिन दोपहर के समय चली 24 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा के चलते तापमान में गिरावट आ गई। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली।

यह अप्रैल माह में पहली बार हुआ है जब दिन और रात का तापमान सामान्य स्तर पर पहुंचा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में दोबारा इजाफा हो सकता है। जहाँ शनिवार को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था, वहीं न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को अधिकतम तापमान घटकर 39.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो सामान्य के बराबर था, जबकि रात का तापमान भी 22.6 डिग्री रहा। सोमवार सुबह से मौसम पूरी तरह साफ बना रहा और तेज धूप के बावजूद गर्मी से कुछ हद तक राहत महसूस की गई। दिन का अधिकतम तापमान 38 डिग्री पर उतर गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी एक सप्ताह तक मौसम पूरी तरह साफ बना रहेगा। सुबह 6 बजे से शाम तक तेज धूप रहेगी और दोपहर के समय उत्तर-पश्चिमी दिशा से चलने वाली हवाएं राहत प्रदान करेंगी। इस साल फिलहाल 18 अप्रैल को सबसे अधिक 41.7 डिग्री दर्ज किया गया है। संभावना जताई जा रही है कि अप्रैल के अंतिम तीन दिनों में तापमान 42 डिग्री के आंकड़े को पार कर सकता है।

कमजोर रही प्री-मानसून गतिविधि : पिछले दो वर्षों से अप्रैल महीने में प्री-मानसून की गतिविधियां बेहद कमजोर रही हैं। बीते 10 दिनों में दो से तीन बार बादल तो छाए, लेकिन बारिश नाममात्र ही हुई। सिर्फ कुछ मिनटों की बूंदाबांदी देखने को मिली। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 मई के बाद प्री-मानसून की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। बता दें कि मानसून आमतौर पर 15 जून के बाद सक्रिय होना शुरू होता है। फिलहाल सोमवार को राजस्थान से सटे जिलों में गर्म हवाएं चल सकती हैं।

क्षेत्र क्र. 3 के वार्ड 12 : 4 करोड़ की लागत वाले 20 विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

ऐसे नेताओं को चुल्लूभर पानी में डूब मरना चाहिए : आकाश विजयवर्गीय

संवाददाता ● इंदौर

लोकार्पण

कोलकाता में आज हिंदुओं की जो हालत है, उसे देखकर आंसू आ जाते हैं। कांग्रेस समर्थित ममता सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोटर बना रही है। ऐसे नेताओं को चुल्लूभर पानी में डूब मरना चाहिए। पाकिस्तान में जैसे हिंदुओं के हालात हैं, ऐसे ही इन जगहों पर हो रहे हैं। बंगाल में कैलाश विजयवर्गीय पर भी हमला हुआ था।

ये बातें आकाश विजयवर्गीय ने सोमवार को क्षेत्र क्र. 1 वार्ड 12 के तहत यादवनंद नगर, गोविंद कॉलोनी, दुर्गा नगर, न्यू शीतल नगर, गंगाबाग, कर्मा नगर और महाराणा प्रताप नगर में 4 करोड़ की लागत वाले 20 विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण करते हुए रहवासियों से कहीं। उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में करोड़ों की जनोपयोगी सौगातें दीं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने वक्फ बोर्ड में संशोधन करके एक अच्छा काम किया है। यह आपके एक वोट की ताकत है, जिससे हमारे आदरणीय पीएम मोदीजी ने ऐतिहासिक कार्य किया है। पिछली कांग्रेस सरकार ने वोट बैंक की राजनीति करते हुए एक वर्ग विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए वक्फ बोर्ड के विशेष नियम बनाए थे। इस नियमों के तहत यदि किसी ने एक बीघा जमीन इनको दान में दी तो यह आसपास की सभी जमीन पर कब्जा कर लेते थे और यदि कोई शिकायत करता था तो उसकी सुनवाई भी वक्फ बोर्ड ही करता था। इस तरह से जो पीड़ित होता था उसको कभी न्याय नहीं मिलता था।

अब तक संविधान को ताक में रखकर वक्फ बोर्ड चलता था। ईसाई मिशनरियां भी इस मनमाने कानून से त्रस्त थीं और उन्होंने भी इसके खिलाफ आवाज उठाई थी, क्योंकि उनकी भी काफी जमीन पर वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर रखा है। संविधान निर्माता बाबा सा. को अपमानित करने में भी नेहरूजी और कांग्रेस पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। बाबा सा. को नेहरुजी ने चुनाव तक हरवाया।

ढोल-ताशे, हार-फूल, आतिशबाजी से स्वागत

इससे पहले आकाश विजयवर्गीय के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर उपस्थित जनसमुदाय ने ढोल-ताशों, हार-फूल और आतिशबाजी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में पार्षद सीमा कृष्ण वल्लभ डाबी, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित थे। बता दें कि क्षेत्र का शुमार लंबे समय से पिछड़े इलाकों में होता आया है। इसकी प्रमुख वजह क्षेत्र में जनोपयोगी सुविधाओं का अभाव रहा है। कैलाश विजयवर्गीय के बागडोर संभालने के बाद जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्रवासियों से विचार-विमर्श किया गया और उनसे सुझाव लेकर विकास का खाका तैयार किया गया। वर्तमान में क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य चल रहे हैं और विकास पथ पर क्षेत्र अग्रसर हो रहा है।

जब भाजपा सरकार सत्ता में आई और कैलाशजी महू से जीतकर मंत्री बने, तब उन्होंने वहां पर आंबेडकर स्मारक को बेहतर बनवाते हुए श्रद्धालुओं के लिए उत्तम व्यवस्था की।

इससे पहले जन्मस्थली के आसपास कहीं भी श्रद्धालुओं के ठहरने और उपासना के लिए जगह नहीं थी।

कर्नाटक में कांग्रेस ने सरकारी ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण मुस्लिमों को दिया, जो संविधान के खिलाफ है और इस संबंध में उनका कहना है कि मुस्लिम आरक्षण के लिए हम संविधान भी बदल देंगे।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

4 दिन बाद सड़ी-गली मिली लाश

संवाददाता ● मोहला-मानपुर

मोहला-मानपुर। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर जिले से हत्या का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिससे हर कोई हैरत में है. एक युवक, जो अपने ससुराल में शादी समारोह में शामिल होने आया था, कुछ ही दिनों बाद उसकी सड़ी-गली लाश झाड़ियों में मिली थी. इस पूरे मामले में पुलिस ने खौफनाक साजिश का खुलासा किया है. युवक की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर की थी. इस हत्याकांड के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है.जानकारी के अनुसार, मृतक संजीव मांझी मानपुर थानाक्षेत्र के ग्राम उरझे का निवासी था और वह 13 अप्रैल को ससुराल ग्राम बोगाटोला में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने आया था. इसके बाद वह लापता हो गया था. 17 अप्रैल को उसकी सड़ी-गली लाश बोगाटोला से लगे बिरझूटोला गांव के झाड़ियों में छुपी हुई हालत में मिली थी.

पुलिस ने शव मिलने के बाद मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की थी. जांच के दौरान पुलिस को संदेह हुआ कि यह सामान्य मौत नहीं, बल्कि हत्या है. विवेचना में विभिन्न सुरागों को जोड़ते हुए पुलिस को चौंकाने वाली सच्चाई का पता चला. पुलिस के मुताबिक, संजीव मांझी की पत्नी का प्रेम संबंध युगल कुंजाम नामक युवक से चल रहा था. दोनों ने मिलकर संजीव को रास्ते से हटाने की साजिश रची. 13 अप्रैल की रात युगल और उसका साथी धर्मेंद्र, संजीव को शराब पीने के बहाने मोटरसाइकिल से आमाडुला मार्ग स्थित पुल पर ले गए. वहां तीनों ने साथ बैठकर शराब पी. इसी दौरान पत्नी के प्रेम संबंधों को लेकर संजीव और युगल के बीच विवाद हुआ. इस दौरान युगल और धर्मेंद्र ने मिलकर गमछे से संजीव का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया.

पुलिस ने जब तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया. फिलहाल मृतक की पत्नी, उसका प्रेमी युगल कुंजाम और धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है.

न्यूज कॉलम

पिता से नाराज छात्रा ने ब्लेड से काटा गला, मौत

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा से 10वीं की छात्रा की आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. रविवार को करीब 2:30 बजे नेहा बरगाह अपने घर पहुंची. इस दौरान पिता राजेंद्र प्रसाद ने पूछा कि ह्लइतनी तेज धूप है बाहर, तुम लोग कहां घूम रहे थे?ह्व यह साधारण सा सवाल नेहा को नागवार गुजरा, जिससे नाराज होकर उसने कमरे में जाकर धारदार ब्लेड से अपना गला काट लिया.घटना के दौरान गले से निकला खून जमीन पर फैल गया. नेहा की बहन ने जब कमरे में यह भयावह मंजर देखा, तो वह जोर-जोर से चिल्लाई, जिससे परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंचे. उन्होंने बिस्तर पर ब्लेड पड़ा देखा. आनन-फानन में परिवार ने नेहा को निजी वाहन से अंबिकापुर के मिशन अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान आज उसने दम तोड़ दिया.पुलिस ने घटना की गहन जांच शुरू कर दी है. परिवार से पूछताछ के जरिए नेहा की मानसिक स्थिति और इस कदम के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है ।

खेलते-खेलते तलाब में डूबी दो बहनें, 1 की हुई मौत

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में दो बच्ची खेलते-खेलते तालाब में डूब गए. हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि दूसरी की हालत गंभीर बनी हुई है. दोनों बच्ची आपस में बहनें हैं. मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, तिफरा निवासी विकास साहू रोज की तरह फेरी का काम करने घर से बाहर गया था। घर पर उसकी पत्नी और दो बच्चे अनोखा साहू और बबीता साहू थे. मां घरेलू कामों में व्यस्त थी और इसी दौरान दोनों मासूम खेलते-खेलते पास के बछेरा तालाब तक पहुंच गए. यहां नहाने के दौरान दोनों तालाब में गहरे पानी में डूबने लगे.लोगों ने बच्चों को डूबते देख उन्हें तलाब से बाहर निकाला और तुरंत सिम्स अस्पताल ले जाया गया।

कर्ज लेकर घर चलाने मजबूर एनएचएम कर्मचारी

आक्रोशित कर्मचारियों ने कहा - मोदी की गारंटी तो पूरी नहीं हुई

अब वेतन नहीं मिलने से परिवार चलाना मुश्किल

संवाददाता ● रायपुर

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव संभालने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी बहुतायत जिलों में वेतन को तरस रहे हैं। त्यौहार और शादियों के सीजन में कर्मचारियों की खाली जेब ने उन्हें न केवल परेशान कर रखा है बल्कि रोजमर्रा के खर्चों को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है।जानकारी के मुताबिक 25 जिलों रायगढ़, कोंडागांव,सारंगढ़-बिलाईगढ़, बालोद, सूरजपुर, कोरिया, कबीरधाम, गरियाबंद, कोरबा, मुंगेली, जशपुर, दुर्ग, कांकेर, मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, गौरेला पेंड्रा मरवाही, राजनांदगांव समेत अन्य जिलों में एनएचएम कर्मचारियों को दो माह से वेतन नहीं मिला है और राज्य कार्यालय के स्टाफ को वेतन जारी हो गया है. छग प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ ने मिशन संचालक को ज्ञापन सौंपकर जल्द वेतन का भुगतान करने की मांग की है.

परेशान कर्मचारियों ने बताया कि, संविदा की नौकरी जिसमें अल्प वेतन में कार्य कर रहे है और बचत इस महंगाई में कर नहीं सकते. आजकल कई कर्मचारियों के लोन होते हैं, घर का किराया, बच्चों की फीस, बड़े बुजुर्गों की दवाई का खर्च भी रहता है. ऐसे में समय पर वेतन न मिलना कर्मचारियों में निराशा पैदा कर रहा है. स्थिति यह हो गई है कि रोजमर्रा के खर्चों को संभालने भी उधार लेने की नौबत आ रही है. इसे लेकर कमर्चारियों में बहुत आक्रोश है. उनका कहना है कि नई बीजेपी सरकार से संविदा से मुक्ति के लिए कुछ प्रयास की आशा थी पर यहां तो समय पर वेतन मिलना मुश्किल हो गया है. मोदी की गारंटी तो पूरी होती नहीं दिखती अलबत्ता दैनिक जीवन जरूर प्रभावित हो रहा है.

मिशन संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला से कर्मचारियों को उम्मीद

कर्मचारियों ने कहा, यही हाल रहा तो आंदोलन करने मजबूर होंगे. अभी हाल ही में मिशन संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला को बनाया गया है, जो पूर्व में भी इसका दायित्व निभा चुकी हैं और उनके पूर्व कार्यकाल में वेतन के लिए बजट की कमी नहीं होती थी. उनके द्वारा कर्मचारियों के नियमितीकरण, ग्रेड पे के संबंध में भी काम हुआ था, जो बाद में फाइलों में दब गया. ऐसे में एनएचएम कर्मचारियों में उनके आने से आशा बढ़ी है.

रिश्वत लेते पटवारी रंगे हाथों गिरफ्तार

ईओडब्ल्यू की कार्रवाई

संवाददाता ● कोरबा

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है. पसान थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्लापुर में एक पटवारी को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा) की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा है. एडह की इस कार्रवाई से जिला प्रशासन में हड़कंप मच गई है.जानकारी के मुताबिक, पटवारी सुल्तान सिंह बंजारे ने एक किसान समर सिंह से जमीन को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन चढ़ाने के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी. वहीं किसान ने इस अवैध मांग की शिकायत सीधे ईओडब्ल्यू से कर दी, जिसके बाद योजनाबद्ध तर-ीके से रिश्वतखोर पटवारी पर कार्रवाई की गई है.एडह ने शिकायत के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और जैसे ही पटवा-री ने किसान से रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया. फिलहाल आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है. इस कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया है.

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 209 गैस सिलेंडर जब्त

संवाददाता ● रायपुर

रायपुर पुलिस ने अवैध गैस सिलेंडर भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए धर्मेंद्र सोनी को गिरफ्तार किया है. खमतराई थाना क्षेत्र के गोवर्धन नगर में एक प्लॉट और चार पहिया वाहन में भारी मात्रा में कमर्शियल गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण पाया गया. इस कार्रवाई में पुलिस ने 209 गैस सिलेंडर और एक वाहन जब्त किया, जिनकी कुल कीमत लगभग 7.5 लाख रुपये आंकी गई है.पुलिस को 20 अप्रैल 2025 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के माध्यम से सूचना मिली थी कि गोवर्धन नगर में एक व्यक्ति अवैध रूप से गैस सिलेंडरों का भंडारण कर रहा है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और खमतराई थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की. मौके पर धर्मेंद्र सोनी (35 वर्ष, निवासी गुढ़ियारी, रायपुर) को पकड़ा गया, जो एक छोटा हाथी वाहन (क्रमांक उऋ04 ट 6534) में सिलेंडरों का भंडारण किए हुए था.पूछताछ में धर्मेंद्र सोनी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका. पुलिस ने उसके कब्जे से पूर्ति गैस, सीजी गैस, इंडेन गैस, भारत गैस, एचपी गैस, गो गैस, और ब्लू गैस कंपनियों के 209 कमर्शियल सिलेंडर जब्त किए. इसके साथ ही उक्त वाहन भी जब्त किया गया. आरोपी के खिलाफ खमतराई थाने में अपराध क्रमांक 367/25, धारा 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

कार्रवाई में इनकी रही अहम भूमिका

इस ऑपरेशन में खमतराई थाना प्रभारी निरीक्षक सचिन सिंह, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के प्रभारी निरीक्षक परेश कुमार पांडेय, उपनिरीक्षक सतीश पुरिया, प्र.आर. कुलदीप द्विवेदी, आर. संदीप सिंह, वीरेंद्र बहादुर सिंह, अविनाश देवांगन, हिमांशु राठौड़, अविनाश टंडन, और खमतराई थाने से उपनिरीक्षक प्रहलाद राठौर ने महत्वपूर्ण योगदान दिया.

सावधान! शहरों में खपाए जा रहे हैं नकली नोट, दुकानदारों को चकमा देकर निकलने की फिराक में था युवक, हुआ गिरफ्तार

संवाददाता ● दुर्ग

अगर आप नकदी लेन-देन करने के आदी हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है. प्रदेश के दुर्ग जिले में आज पुलिस ने नकली नोटों के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है. आरोपी के कब्जे से 500 रुपए के 18 नकली नोट और 200 रुपए के 11 नकली नोट बरामद किए गए हैं. इन नकली नोटों को देखकर कोई भी धोखा खा सकता है. लेकिन एक दुकानदार की सूझ बूझ के कारण आरोपी को पकड़ा जा सका है.जानकारी के मुताबिक, आरोपी महासमुंद का रहने वाला है. वह नकली नोट खपाने के फिराक में दुर्ग पहुंचा हुआ था. इसी दौरान जब उसने भिलाई-चरोदा के ज्योति विद्यालय के करीब स्थित जलाराम बेकरी में आइसक्रीम खरीदने के बहाने दुकानदार को 500 रुपए का नकली नोट दिया, तो दुकानदार विवेक कुलश्रेष्ठ को नोट की छपाई और बनावट पर शक हुआ. उसने आरोपी को बातों में उलझाए रखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को दुकान से नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गई है.इस मामले में उरढ हरीश पाटिल ने बताया कि आरोपी छोटे दुकानदारों को निशाना बनाकर नकली नोट चलाने की फिराक में था. उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपी के अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

राजधानी में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन : बढ़ते अपराध के खिलाफ सीएम हाउस का घेराव करने निकले कांग्रेसी

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ में बढ़ते अपराध के खिलाफ कांग्रेस ने आज राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री निवास का घेराव के लिए कूच किया. प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में आयोजित इस बड़े प्रदर्शन में प्रदेश भर से हजारों कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए. घेराव से पहले रायपुर नगर निगम के सामने एक विशाल सभा का आयोजन किया गया, जहां वरिष्ठ नेताओं ने पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में बढ़ते अपराध के आंकड़ों के साथ महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार, लूट और हत्या सहित कई मुद्दों पर साय सरकार के खिलाफ हमला बोला।

हालांकि सरकार के खिलाफ इस बड़े प्रदर्शन में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के साथ प्रदेश कांग्रेस के सबसे बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव शामिल नहीं हुए.अपराध के खिलाफ आवाज उठाने उट निवास घेराव में पीसीसी चीफ दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व पीसीसी चीफ धनेंद्र साहू, सह-प्रभारी विजय जांगीड़, जरिता लैतफलांग, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष फूलो देवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकीत गैदू, विधायक अंबिका मरकाम, चातुरी नंद, उमेश पटेल, पूर्व विधायक अरुण वारा, गुरमुख होरा, पूर्व सांसद छाया वर्मा, पूर्व विधायक अनीता शर्मा, पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल, विकास उपाध्याय, सत्यनारायण शर्मा, प्रमोद दुबे सहित संगठन के पदाधिकारी, एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए.पीसीसी चीफ दीपक बैज ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक होगा. हमारी लड़ाई छत्तीसगढ़ की जनता के हक, बीजेपी और सरकार के खिलाफ लड़ाई है।

42 डिग्री हो या 45 हमारी माता-बहनों को बचाने से हमें कोई नहीं रोक सकता. आज आत्मानंद स्कूल में 9 वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा के साथ दुष्कर्म होता है, एक महीने की गर्भवती हो जाती है प्रशासन को पता नहीं है. हमने विधानसभा में प्रदर्शन किए, ब्लॉक, जिला हर स्तर पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए लेकिन सरकार नींद से नहीं उठी. हर तीन घंटे में एक बालात्कार हो रहा है. ये सरकार छत्तीसगढ़ को यूपी और बिहार बनाने पर तुली है. लेकिन कांग्रेस ऐसा होने नहीं देगी, हम 24 घंटे जनता के लिए लड़ेंगे।इसके साथ ही दीपक बैज ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव जनता के लिए मुख्यमंत्री बनकर नहीं, भक्षक बनकर काम कर रहे हैं।

20 सालों में 13 कलेक्टर बदले पर अब तक किसानों की समस्या जस का तस, कलेक्ट्रेट के सामने भूख हड़ताल पर बैठा परिवार

संवाददाता ● रायपुर

सारंगढ़-बिलाईगढ़. जिले के बिलाईगढ़ ब्लॉक अंतर्गत सोनिया जलाशय परियोजना के चलते डूब प्रभावित दर्जनों किसानों को आज तक उनकी भूमि का मुआवजा नहीं मिला है. बीते 20 वर्षों में 13 कलेक्टर बदल गए, लेकिन किसानों की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है. अब किसानों का सब्र जवाब दे चुका है और एक बार फिर वे कलेक्टर कार्यालय के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं. अपनी ही जमीन के मुआवजे के लिए किसान सालों से अफसरों के चक्कर काट रहे हैं. एसडीएम से लेकर कलेक्टर और मुख्यमंत्री तक सभी को ज्ञापन सौंप चुके हैं फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई.

70 साल की बुजुर्ग का छलका दर्द

एक बुजुर्ग महिला किसान ने व्यथा सुनाते हुए कहा, 75 साल की हो गई हूं, अब तो लगता है मरने के बाद ही पैसे मिलेंगे. कभी दंडवत करते हुए तो कभी धरना देकर किसानों ने आवाज उठाई, मगर हर बार सिर्फ आश्वासन मिला.अब किसानों का सब्र जवाब दे चुका है और एक बार फिर वे कलेक्टर कार्यालय के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं. किसानों का कहना है कि उनकी चप्पलें नहीं, अब पैर घिस चुके हैं. कई साथी इस 20 साल की लड़ाई में दुनिया छोड़ चुके हैं.

15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान हो जाएगा : एसडीएम

इस मामले में एसडीएम ने जल संसाधन विभाग को तत्काल सूचना भेजकर 15 दिन के भीतर समाधान का आश्वासन दिया है. किसान अब हर हाल में न्याय की मांग पर अड़े हुए हैं.

छत्तीसगढ़ के इस गांव में आज भी नहीं आई बिजली

खैरागढ़. विकास के नए आयामों को पार करते छ्त्तीसगढ़ में कुछ गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से पूरी तरह वंचित हैं. छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की सीमा पर घने जंगलों के बीच बसा ग्वालगुंडी गांव, जहां रहने वाले लोगों की जिंदगी देखकर ऐसा लगता है जैसे ये गांव आजादी के बाद से देश की नजरों से ही ओझल हो गया होङ्ग गांव में न बिजली है, न पक्की सड़क, न पानी की व्यवस्था. रात होते ही पूरे गांव पर अंधेरा छा जाता है. लोग लकड़ियां जलाकर रौशनी करते हैं. दिनभर पानी के लिए तालाबों और नदियों की तलाश में भटकते हैं. जरूरत की चीजें खरीदने के लिए गांव वालों को 15 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है. बरसात के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, रास्ते की जगह कीचड़, नदी और नाले ले लेते हैं, जिन्हें पार करते समय कई बार लोग अपनी जान तक जोखिम में डालते हैं।

पत्नी से अवैध संबंध का शक, पति ने चापड़ से दूध वाले पर किया प्राणघातक हमला

संवाददाता ● बिलासपुर

पत्नी से अवैध संबंध के शक में दूध वाले पर पति ने चापड़ से प्राणघातक हमला कर उसे लहूलूहान कर दिया। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मरीमाई मंदिर के पास का है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति अपनी पत्नी को मारने उसके मायके गया था, लेकिन अपने प्रयास में वह सफल नहीं हो सका।पुलिस के मुताबिक, ड्राइवर मोहम्मद मोबिन को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था कि उसकी पत्नी का दूध वाले के साथ अवैध संबंध है। इसके चलते आरोपी ने दूध वाले जयपाल साहू पर चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह लहू लूहान होकर वहीं गश्त खाकर गिर पड़ा।घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने घायल दूध वाले को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सिविल लाइन पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अगली पीढ़ी पर बीमारी का कर्ज न चढ़ने दें

पिछले शुक्रवार की शाम, हम कुछ लोग मंच पर उपस्थित थे। तभी कुछ लड़कियों ने ह्लॐ नमामि धन्वन्तरिमादिदेवं, सुरासुरैर्वन्दित पाद पद्मम्ह्व का पाठ शुरू कर दिया। मैंने संस्कृत के उच्चारणों को समझने के लिए ध्यान लगाया ही था कि दर्शकों के बीच बैठी लगभग 50 स्कूली छात्राओं ने एक साथ ह्ललोके जरारूक भय मृत्यु नाशनं, दातारमीशं विविधौषधिनाम्॥ह्व का उच्चारण शुरू कर दिया। इससे मेरे मन में उन छात्राओं के प्रति जिज्ञासा जागी। तब मेरे बगल में बैठे, कार्यक्रम के आयोजक और देश के 92 जिलों में मौजूद, ह्यआरोग्य भारतीह्ल संगठन के राष्ट्रीय संगठन सचिव, डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि ये मप्र के सरकारी स्कूलों की छात्राएं हैं, जो छात्रावास में रहती हैं। इस छात्रावास में छठवीं से बारहवीं तक की 280 छात्राएं निवास करती हैं।

आरोग्य भारती ने इस छात्रावास को गोद लिया है, जिसका उद्देश्य सभी को स्वस्थ रखना है। संगठन के मासिक प्रबोधन का नाम ह्लस्वास्थ्य प्रबंधन से जीवन प्रबंधनह्व था।छात्रावास में छात्राएं सूर्योदय से पहले उठती हैं। वे संस्कृत श्लोकों का पाठ करती हैं और योग तथा अन्य व्यायाम करती हैं। उन्हें स्वच्छता और पर्यावरण की रक्षा का प्रशिक्षण दिया जाता है। ह्लकबाड़ से जुगाड़ह्व नाम की खास कक्षा भी होती है जहां कचरे से शानदार चीजें बनाना सिखाते हैं। प्रशिक्षण का सबसे अहम हिस्सा है औषधीय बगीचा तैयार करना और उसकी देखभाल करना, जो वर्षों तक बीमारियों के इलाज में काम आ सकता है।तब मुझे यह अहसास हुआ कि मैं ऐसी संस्कृति का हिस्सा हूं, जिसमें कभी शरीर का महत्व नहीं समझाया जाता।

जी हां, ज्यादातर भारतीय परिवार और कम से कम मध्यम और निम्न आयवर्ग के परिवारों में, स्वस्थ रहना कम ही सिखाते हैं। वे हमें आज्ञाकारी बनना सिखाते हैं, नौकरी के लिए योग्य बनाते हैं, लेकिन कभी मजबूत, महत्वाकांक्षी या सचेतन नहीं बनाते।जब मैं दीप प्रज्ज्वलन के लिए कुर्सी से उठा, तो मेरे घुटनों में हल्का दर्द हुआ। इससे मेरा यह विचार और मजबूत हो गया कि हमारे परिवार पैसा बचाना सिखाते हैं, घुटने नहीं। परिवार की सुरक्षा के लिए नैतिक पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन पॉश्चर की रक्षा करना नहीं बताते। याद कीजिए, कैसे हमारे शिक्षक सार्वजनिक व्यवहार और सरकारी नौक- री के लिए अच्छे अंकों का महत्व बताते थे। लेकिन क्या किसी ने बताया कि परीक्षा हॉल में घबराहट हो तो गहरी सांस लेना चाहिए? क्लास में सोने पर सजा मिलती थी, लेकिन किसी ने यह नहीं बताया कि अच्छी नींद कैसी होती है क्योंकि समाज में यही कहा जाता है कि आराम आलस की निशानी है। स्वास्थ्य ही धन है, यह सिर्फ एक कहावत बनकर रह गया है। हमारे समाज में मानसिक रोग को आज भी शर्म का विषय माना जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ भारत के लिए नए दरवाजे खोल सकते हैं। उदाहरण के लिए, सेमीकंडक्टरों की आपूर्ति में, जिस पर फिलहाल ताइवान का वर्चस्व है। उसे 30% से अधिक टैरिफ का सामना करना पड़ा है। इसलिए यदि आपूर्ति-श्रृंखलाएं बदलती हैं तो भारत खुद को एक विकल्प के रूप में पेश कर सकता है। यह पैकेजिंग, टेस्टिंग और लो-एंड चिप निर्माण जैसी अपेक्षाकृत सुगम चीजों से शुरू कर सकता है।

अब बच्चों को यह बताने का समय आ गया है कि स्वास्थ्य पर खर्च करना निवेश है, खर्च नहीं। उन्हें पता होना चाहिए कि शक्कर एक ड्रग की तरह है, सूर्यास्त से पहले डिनर स्वास्थ्यवर्धक है और बाजुओं की मसल बनाने से ज्यादा जरूरी है पेट की सेहत। यहां तक कि आज भी कई घरों में बीमारियों की रोकथाम के तरीके नहीं पता, लेकिन रोग का डर बना हुआ है। इसलिए बच्चों को बताएं कि अपने शरीर का ख्याल रखना, स्वार्थ नहीं है। आरोग्य भारती का कार्यक्रम खत्म होने के बाद, सभी बच्चों को एक प्रदर्शनी दिखाई गई, जहां ज्यादातर बीमारियों की रोकथाम और इलाज के प्राकृतिक तरीके बताए गए। फंडा यह है कि चारों तरफ प्रदूषण और बढ़ती नई बीमारियों के बीच, हमें अपनी अगली पीढ़ी को पहला पाठ यह पढ़ाना चाहिए कि वे बीमारी के कर्ज से मुक्त रहें। ऐसा न करने पर सारी बचत खुद के और परिवार के इलाज में जाएगी क्योंकि यह दिन-ब-दिन महंगा हो रहा है।2026 में होने वाले चुनावों से पहले तमिलनाडु में उत्तर-दक्षिण की दरारें गहरा रही हैं और मुर्शिदाबाद के बाद पश्चिम बंगाल में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की संभावना बढ़ रही है। ये दोनों ही परिदृश्य देश की राजनीति के लिए चिंताजनक हैं।

संत वचन

आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है, मसीह में प्यारे भाइयों और बहनों, आज जब हम सबने पवित्र शास्त्र के वचनों को सुना, तो हम सभी को याद दिलाया गया कि हम में से हर एक को ईसाई होने के नाते, परमेश्वर के पवित्र और प्रिय लोगों के रूप में, अपने प्यारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता, प्रभु की शिक्षाओं का पूरे दिल से पालन करना जारी रखना चाहिए, जिन्होंने अपने पुत्र, यीशु मसीह के माध्यम से हमारे प्रति अपना प्रेम प्रकट किया है, अपने प्रेम को हमारे प्रति पूर्ण रूप से और उस तरीके से प्रकट किया है जो हमारे लिए मूर्त और सुलभ है, ताकि हम उनके प्रेम और उद्धार से लाभान्वित हो सकें, और हम अपने जीवन की यात्रा में उनके हमेशा धैर्यपूर्ण मार्गदर्शन और सहायता के बारे में आश्वस्त हो सकें। परिणामस्वरूप, हमें भी अपने आप से सभी नकारात्मक भावनाओं को दूर रखने का प्रयास करना चाहिए।

स्वार्थ और मुनाफे की लालसा भी विनाश की ओर ले जाती है

दुनिया कठिन समय से गुजर रही है। इतिहास में शायद ही कभी हमने एक साथ इतनी बुरी खबरें आते देखी हों। यूक्रेन और मध्य-पूर्व में चल रहे युद्धों के कारण निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं। वैश्विक वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति बाधित हो रही है। हम दुनियाभर में लोकतंत्र का क्षरण देख रहे हैं। ऐसे नेताओं का उदय हो रहा है जिन्हें केवल अपनी सत्ता की पर- वाह है, आम इंसानों के लिए उनके मन में कोई सहानुभूति या चिंता नहीं है। प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी को कुचला जा रहा है। कई देशों में आम नागरिकों के विरोध-प्रदर्शनों को बेरहमी से दबाया जा रहा है। कुछ लोगों का मानना है कि यह सब डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव और एआई की तरक्की से हो रहा है। कुछ का कहना है सोशल मीडिया और फेक न्यूज इसकी जड़ में है। कुछ कहते हैं कि इस स्थिति की शुरूआत महामारी से हुई थी।

हम अलग-अलग देशों को दोष देते हैं, दूसरों पर उंगली उठाते हैं, और नेताओं और बड़े कॉरपोरेट प्रमुखों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। इस सब में कुछ सच्चाई हो सकती है, लेकिन यहां मैं हमारी अपनी जिम्मेदारी की बात करना चाहता हूं। मुख्यधारा का अर्थशास्त्र- जिसकी शुरूआत 1776 में प्रकाशित एडम स्मिथ की प्रसिद्ध किताब से मानी जाती है- यह दिखाता है कि आर्थिक विकास और तरक्की इसलिए होती है क्योंकि लोग मुनाफा बढ़ाने और अपनी आय को अधिक से अधिक करने की कोशिश करते हैं। अर्थशास्त्री इसे यूटिलिटी मैक्सिमाइजेशन कहते हैं। यही सोच मेहनत, उद्यम व इनोवेशन के लिए प्रेरित करती है। जिस बात का शायद ही कभी जिक्र होता है, लेकिन जो उतनी ही सच है, वो यह है कि किसी अर्थव्यवस्था के लंबे समय तक स्थिर रूप से विकसित होने के लिए सिर्फ मुनाफे की चाह काफी नहीं होती- हमें नैतिकता और भरोसे, ईमानदारी जैसे बुनियादी मूल्यों की भी जरूरत होती है। केनेथ ऐरो- जो दुनिया के सबसे महान अर्थशास्त्रियों में गिने जाते हैं- ने एक गणितीय मॉडल बनाया था, जिसमें उन्होंने एडम स्मिथ के इस विचार को औपचारिक रूप दिया था।

एडिट.नोट

उन्होंने समझाया था कि किस तरह मुक्त बाजार और व्यक्तिगत उद्यम से समाज का भला हो सकता है। लेकिन 1978 में लिखे एक निबंध में ऐरो ने यह चेतावनी भी दी थी कि अगर स्वार्थ व मुनाफे की लालसा को बुनियादी मूल्यों से अलग कर दिया जाए, तो वह प्रणाली आर्थिक विनाश की ओर ले जाएगी। आज के इस कठिन समय में हमारे लिए यह याद रखना और ईमानदारी, विनम्रता और करुणा जैसे बुनियादी मानवीय मूल्यों को संजोना बेहद जरूरी है। साथ ही, करुणा का मतलब सिर्फ अपनी जाति, धर्म, नस्ल या देश के लोगों के लिए करुणा नहीं होना चाहिए। दुनिया में कहीं भी अगर कोई इंसान दुःख में है, तो वह पूरे मानव समाज के लिए एक त्रासदी है। यह जानना दिलचस्प है कि देश की स्थापना के समय भारत इन मूल्यों को अपनाने में दुनिया में अग्रणी था। आजादी के समय ये सिद्धांत भारत की बुनियाद का हिस्सा थे। हम इसे रबींद्रनाथ ठाकुर की कविता में देखते हैं। हम इसे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के भाषणों में देखते हैं। भारत ने वैश्विक एकता के इस संदेश को फैलाने और संकीर्ण, पक्षपातपूर्ण राजनीति को नकारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1955 में इंडोनेशिया के बांडुंग में आयोजित सम्मेलन- जिसमें नेहरू और इंडोनेशिया के प्रधानमंत्री सुकर्णो ने नेतृत्व किया और कई अन्य नवस्वतंत्र देशों के नेता शामिल हुए- इन नैतिक मूल्यों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था।

दुःख की बात है कि आज भारत में समूहों के प्रति घृणा बढ़ रही है, जबकि हमने कभी सार्वभौमिकता का संदेश फैलाने में अहम भूमिका निभाई थी। जब दुनिया संघर्ष और शोषण से जूझ रही है, तब हमारा कर्तव्य है कि हम नैतिक मूल्यों को अपनाएं, सभी के अधिकारों के लिए खड़े हों, और खुद को बार-बार याद दिलाएं कि किसी भी व्यक्ति का दुःख, गरीबी और वंचना सबके लिए शर्म की बात है। अगर आपको किसी देश या समुदाय का गलत व्यवहार पसंद नहीं है, तो आपको वैसा ही व्यवहार हरगिज नहीं अपनाना चाहिए। लेकिन ठीक यही काम आज वे लोग कर रहे हैं, जो देश में साम्प्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं।

एन रघुरामन - लेखक

खाकी पोशाक पहनने के लिए आपमें दाग सहने का माइंडसेट होना चाहिए

उस वर्ष भी उसे पिछले दो वर्षों की तरह अपने चाचा के साथ उनके गांव में गर्मी की छुट्टियां बितानी थीं। उस जमाने में लोग साइकिल का उपयोग करते थे और पोस्टकार्ड के माध्यम से संवाद करते थे, जो घोंघे की गति से अपने गंतव्य तक पहुंचते थे। आपात-स्थिति में तार का उपयोग किया जाता था। उसके माता-पिता ने बहुत पहले ही एक कार्ड पोस्ट कर दिया था, जिसमें उसके चाचा को तारीख, ट्रेन और उसके आने का समय यानी शाम 6 बजे के बारे में सूचित कर दिया गया था।

लेकिन दुर्भाग्य से पोस्टकार्ड नहीं पहुंचा। ट्रेन उस प्लेटफॉर्म-रहित गांव के स्टेशन पर पहुंची। वो 15 वर्षीय लड़की एक सह-यात्री की मदद से बाहर निकली, लेकिन चाचा कहीं नहीं दिखे। वह वहां एक बैग के साथ खड़ी थी। ट्रेन एक मिनट रुकने के बाद तेज सीटी के साथ रवाना हुई। जैसे-जैसे समय बीतता गया, उसके आस-पास की हर चीज धीमी होती गई, यहां तक कि सूरज की गर्मी भी। शाम 7 बजे स्टेशन की बत्तियां टिमटिमाने लगीं। उस रोशनी की चमक और टिमटिमाहट बिल्कुल वैसी ही थी जैसी हम डरावनी फिल्मों में देखते हैं। अंधेरा होने वाला था, आसमान में एक अजीब तरह की शांति थी जो उसे डरा रही थी। तभी पुलिस वाले ने बेंच पर अकेली युवा लड़की को देखा, और उन्होंने अपनी सूझबूझ से जाना कि वह उस गांव की रहने वाली नहीं थी। लड़की की शांति में कुछ ऐसा था, जिसने उन्हें उसकी ओर आकर्षित किया।

उन्होंने उससे पूछा, क्या तुम किसी का इंतजार कर रही हो? लड़की ने सावधानी से सिर हिलाकर कहा, मेरे चाचा का। उन्हें मुझे लेने आना था। मेरे माता-पिता ने उन्हें एक पोस्टकार्ड भेजा था। पुलिस वाले ने अनुमान लगाया कि पोस्टकार्ड नहीं पहुंचा होगा। उन्होंने पूछा, क्या तुम्हारे पास पता है? उसने अपनी किताब उन्हें थमा दी, जिसमें पता लिखा था। उन्होंने तुरंत कहा, मैं तुम्हें छोड़ सकता हूं। लड़की ने सम्मानपूर्वक लेकिन कांपती आवाज में कहा, नहीं, शुक्रिया। वे बाहर गए और तांगे के मालिक को कुछ बताया। तांगा तुरंत ही गायब हो गया, जैसे सूरज की रोशनी आसमान से गायब हो चुकी थी। पुलिस वाला लड़की पर नजर रखे हुए था और उनके दिमाग में यह चल रहा था कि लड़की सतर्क और चतुर है, थोड़ी शंकालु भी है, जो कि उसके लिए अच्छा ही है। रात गहराने के साथ-साथ हर मिनट लंबा होता जा रहा था। शाम 7.30 बजे से एक मिनट पहले प्लेटफॉर्म के प्रवेश द्वार पर एक पुरुष की आवाज सुनाई दी।

उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, बच्चा, तुम अकेले क्यों हो, मुझे कोई कार्ड नहीं मिला। वह दौड़कर उनके पास गई। पुलिस वाले ने जब लड़की को बिना किसी गर्व या आक्रोश के उनके पास जाते देखा, तो उन्हें राहत मिली। लड़की एक बार पीछे मुड़ी और हाथ जोड़कर चुपचाप नमस्ते किया। उन्होंने मुस्कराते हुए सिर हिलाया और अंधेरे आसमान की ओर देखकर अपने देवता को धन्यवाद दिया। उन्होंने चाचा को बच्ची से यह कहते हुए सुना कि चलो, घर जाने से पहले तुम्हारे माता-पिता को एक तार भेज देते हैं। उस रात पुलिस वाले ने ड्यूटी लॉग-बुक में लिखा : 19.00 बजे एक नाबालिग लड़की स्टेशन पर अकेली पाई गई। उसे लेने आने वाले कम्युनिकेशन में चूक के कारण नहीं आए। नाबालिग ने मदद की पेशकश को अस्वीकार कर दिया। तब पता सत्यापित किया गया और उसके अभिभावक को तांगे के माध्यम से सूचित किया गया। 19.35 बजे उसे पिक-अप कर लिया गया। नाबालिग ने सराहनीय सावधानी बरती। कोई अन्य घटना नहीं हुई। ड्यूटी पूरी हुई।

गुरुवार को मुझे यह कहानी तब याद आई, जब एक युवा स्कूटर सवार को एक पुलिसकर्मी से इस बात पर बहस करते देखा गया था कि कैसे उसने सिग्नल तोड़ने वाले एक अन्य व्यक्ति को जाने दिया और केवल उसे रोका। युवक चिल्ला रहा था, क्योंकि उसे चिंता थी कि उस पर जुमार्ना लगाया जाएगा। पुलिसकर्मी ने कहा, अगर मैं नहीं होता, तो तुम सामने से आ रहे ट्रक के नीचे कुचल जाते। अब तुम जाओ। लड़के ने माफी मांगी और चला गया। पुलिसकर्मी ने बस उसके सिर पर थपथपाया, और अपने काम में व्यस्त हो गया। फंडा यह है कि कभी-कभी पुलिस वाले की पोश- ाक पहनने का मतलब है कि अगर कोई आप पर भरोसा न करे, तब भी यह सुनिश्चित करने के लिए उनके पास खड़े रहना आपका दायित्व है कि वे सुरक्षित रहें।

बिजनेस

भारतीय एयरलाइंस के खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई

इंडिगो सहित तीन विमान कंपनियों को 1500 करोड़ का नोटिस, शेल कंपनियों से टैक्स बचाने का आरोप

नई दिल्ली। इनकम टैक्स विभाग ने इंडिगो समेत तीन डोमेस्टिक एयरलाइन कंपनियों और उनसे जुड़े 15 इंटरनेशनल विमान लेसर्स (लीज पर विमान देने वाली कंपनियों) को 1,500 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस भेजा है। आयकर विभाग ने इन पर आयरलैंड में बनी कागजी कंपनियों (शेल कंपनियों) के जरिए टैक्स बचाने का आरोप लगाया है। ये नोटिस अक्टूबर 2024 और मार्च 2025 में भेजे गए थे। टैक्स में हेरफेर का यह मामला 2021-22 और 2022-23 के वित्तीय वर्षों से जुड़ा है।

आयरलैंड में शेल कंपनियों से टैक्स में हेराफेरी का आरोप दरअसल, टैक्स अधिकारियों का कहना है कि एयरलाइंस ने विमानों को किराए पर लेने के लिए आयरलैंड में रढश/रढउ (स्पेशल पर्पज व्हीकल) नाम की शेल कंपनियां बनवाईं, जिनका असल में कोई कारोबार, ऑफिस या कर्मचारी नहीं है। इनका मकसद सिर्फ आयरलैंड-भारत के बीच टैक्स संधि (उळअअ) का फायदा उठाकर भारत में टैक्स चुकाने से बचना था।

हालांकि कंपनियों ने इसे गलत बताते हुए कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है। वहीं, आयरलैंड सरकार ने भी अपने लेसर्स का बचाव करते हुए कहा है कि उनकी कंपनियों को शेल बताने के आरोप गलत हैं। वे असली कंपनियां हैं।इंडिगो का शेयर आज यानी, 21 अप्रैल को 2.38% की तेजी के साथ 5,493.50 रुपए पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 कारोबारी दिनों में शेयर 6.67% का रिटर्न दे चुका है। पिछले 1 साल में शेयर 47.40% तक चढ़ चुका है।

इंडिगो को मार्च में 944.20 करोड़ का टैक्स नोटिस मिल चुका इससे पहले 30 मार्च को इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को आयकर विभाग ने 944.20 करोड़ रुपए का पेनाल्टी ऑर्डर भेजा था। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि 2021-22 असेसमेंट ईयर के लिए इनकम टैक्स एक्ट 270अ के तहत ये पेनाल्टी लगाई गई है। इसके साथ चेन्नई के संयुक्त आयकर आयुक्त ने कंपनी पर 2.84 करोड़ रुपए का जुमार्ना भी लगाया था। इंडिगो ने इनकम टैक्स की पेनाल्टी को बेबुनियाद बताया था। कंपनी ने कहा कि सेक्शन 143(3) के तहत असेसमेंट ऑर्डर के खिलाफ दायर अपील अभी पेंडिंग है, लेकिन टैक्स अधिकारियों ने इसे खारिज मानकर जुमार्ना लगा दिया। कंपनी ने आगे बताया कि वह इस मामले में कानूनी रास्ता अपनाएगी और इस ऑर्डर को चुनौती देगी। पेनाल्टी का रेवेन्यू, ऑपरेशन या बिजनेस पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

सेंसेक्स 855 अंक चढ़कर 79,408 पर बंद: निफ्टी में भी 273 अंक की तेजी रही

मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी, सोमवार 21 अप्रैल को सेंसेक्स 855 अंक चढ़कर 79,408 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 273 अंक चढ़ा, ये 24,125 के स्तर बंद हुआ। वहीं बैंक निफ्टी नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। ये 1,014 अंक चढ़कर 55,304 पर बंद हुआ। बैंकिंग के अलावा आज कळ और मेटल शेयर्स में भी बढ़त रही।यूएस प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प की 90 दिनों की अस्थायी टैरिफ राहत से भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (इळअ) की चचार्ओं को गति मिलने की उम्मीद है।

भारत के विपरीत चीन को अमेरिका की तरफ से टैरिफ में छूट नहीं दी गई है। इससे भारतीय एक्सपोर्टर्स को शॉर्ट टर्म में कॉम्पिटिटिव एडवांटेज मिल सकता है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में खरीदारी कर रहे हैं। 17 अप्रैल को ऋकक्र ने 4,667 करोड़ के शेयर खरीदे। बीते हफ्ते ऋकक्र ने टोटल 14,670 करोड़ के शेयर खरीदे।

आज भारतीय शेयर बाजार में तेजी का मुख्य कारण बैंकिंग शेयरों में आई तेजी है। कऊकऊक बैंक और ऌउऋब बैंक के चौथी तिमाही के मजबूत नतीजों से बैंकिंग सेक्टर में पॉजिटिव सेंटिमेंट बना है। जहां कऊकऊक बैंक का शेयर 1436 रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया तो वहीं ऌउऋब बैंक में करीब 1.5% की तेजी है। यस बैंक का शेयर 5% चढ़ा है।आज (21 अप्रैल) एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 450 अंक (1.30%) की गिरावट रही। कोरिया के कोस्पी 2,488 के स्तर पर फ्लैट बंद हुआ।चीन का शंघाई कंपोजिट में 0.45% की तेजी रही, ये 3,291 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स में आज कारोबार नहीं हुआ। 17 अप्रैल को अमेरिका का डाउ जोन्स 1.33% और नैस्डेक कंपोजिट 0.13% गिरकर बंद हुए। जबकि र&ढ 500 इंडेक्स 0.13% की मामूली तेजी के साथ बंद हुआ।

सोना रिकॉर्ड ऊंचाई पर, 96,670 पर पहुंचा 24 कैरेट के दाम एक दिन में 1,760 बढ़े

नई दिल्ली। सोने ने आज यानी 21 अप्रैल को नया ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,760 बढ़कर 96,670 पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,910 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,091 बढ़कर 96,242 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,151 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। इस साल रुपए में लगभग 4% की गिरावट आई है, जिससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। शादियों का मौसम शुरू हो गया है, ऐसे में सोने के गहनों की मांग बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में ज्वेलर्स ने बताया कि ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी है, क्योंकि लोग सोने को निवेश और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं। दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,500 रुपए है। मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,350 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,350 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,350 रुपए है। भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,400 रुपए है।

पूर्वी दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग टैंकर से पीने का पानी भरते हुए। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में गर्मियों के दौरान पानी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए जीपीएस उपकरणों से लैस 1,111 टैंकरों को हरी झंडी दिखाई।

5 न्यूज

भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। यहां देवलौंद थाना क्षेत्र में सोमवार को बारातियों से भरी एक पिकअप वाहन पलट गई। इस भयावह दुर्घटना में चार बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। हादसा उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार बाइक सामने से आ रही पिकअप से टकरा गई। टक्कर के बाद पिकअप असंतुलित होकर पलट गई। घटना में चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, वहीं कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

एमवाय अस्पताल के गार्डन में युवक ने की आत्महत्यां

इंदौर। मध्य प्रदेश में इंदौर के एमवाय अस्पताल परिसर में बने गार्डन के एक पेड़ से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। अस्पताल की सुरक्षा में तैनात गार्ड ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और शव को नीचे उतार कर जांच में जुट गई। मृतक की पहचान मनीष पिता लक्ष्मण (32) निवासी सोनकच्छ, जिला देवास के रूप में हुई है। मामले की जानकारी देते हुए एडिशनल डीसीपी राम स्नेही मिश्रा ने बताया कि, एमवाय अस्पताल में बने हुए गार्डन के एक पेड़ से फंदा बनाकर फांसी लगाकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस टीम ने पहुंच कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मुख्यमंत्री को भेंट किया श्रीप्रसाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार को स्टेट हैंगर पर अशोकनगर जिले के श्री आनंदपुर धाम के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को गुरु महाराज का श्रीप्रसाद प्रदान किया और श्री आनंदपुर धाम पधारने के लिए आभार व्यक्त कर पुनः पधारने का आग्रह भी किया।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

भोपाल। शहर में चाकूबाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार देर शाम अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में एक बार फिर आपसी रंजिश का मामला हिंसा में तब्दील हो गया। तीन बदमाशों ने मिलकर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि घायल युवक सोहेल मेवाती की शिकायत पर पुलिस ने आकिब, अमन बच्चा और अन्नू बच्चा के खिलाफ आईपीसी की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि फरियादी और आरोपी पहले ऐशबाग इलाके में साथ रहते थे और आपस में लेनदेन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर दीं मंगलकामनाए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस (नेशनल सिविल सर्विस-डे) की शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा है कि आज का दिन प्रगति, गरीबों के उत्थान और प्रशासनिक व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण से लोक-कल्याण के प्रयासों को समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि लोक-सेवकों के कठिन परिश्रम, लगन और प्रतिबद्धता से देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। उन्होंने सभी लोक-सेवकों से विकसित मध्यप्रदेश की संकल्प यात्रा में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेशनल सिविल सर्विस-डे पर अधिकारियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया

जनसेवा का प्रभावी माध्यम है सिविल सेवा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिविल सेवा सिर्फ.एक पेशा नहीं, यह जनसेवा का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे अपने अधिकारों का निःसंदेह सदुपयोग करें, लेकिन अपने कर्तव्यों से कदापि विमुख न हों। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन एक वृहद विषय है। इसका मूल मंत्र है - "लोगों की हर संभव तरीके से सेवा"। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस (नेशनल सिविल सर्विस डे) के अवसर पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी सिविल सेवकों को लोक सेवा दिवस की बधाई दी और सभी से अपने उत्तरदायित्वों के प्रति संकल्पबद्ध रहने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक सेवा एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा, समर्पण, मनोयोग के साथ निभाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के चयनित 16 सिविल सेवकों (अधिकारियों) को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सभी अवार्डियों को उनके द्वारा किए गए नवाचारों के लिए बधाई देकर एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक कुशल सिविल सेवक वह होता है, जो न केवल शासन के नियमों, उपनियमों का पालन करे, बल्कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता की कठिनाइयों एवं समस्याओं को समझे और उन्हें समुचित समाधान भी प्रदान करें। उन्होंने सभी सिविल सेवकों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों की तत्पर सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और शासन को जनकल्याण की दिशा में अधिक प्रभावी बनाने की ओर अग्रसर करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे कामों

सम्मानित

और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। इसीलिए सभी लोक सेवक शासन व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और लोक जवाबदेही की भावना को और मजबूत करने की दिशा में कार्य करें। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय दुबे, नरोन्हा व्याख्यान श्रृंखला के मुख्य वक्ता डॉ. दीपक बागला, राज्य शासन के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव एवं अन्य सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत 2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य के लोक सेवकों ने अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाया है। जमीनी स्तर पर अधिकारियों द्वारा किए जा रहे नवाचारों को संकलित कर सुशासन के लिए योजना तैयार करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना और विकास में चाणक्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि महामंत्री चाणक्य ने सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया था और वे स्वयं मंत्री बने थे, जिससे एक शक्तिशाली राजवंश में प्रशासन की व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद देश के भविष्य की नींव तैयार करने के लिए लोक सेवक व्यवस्था को विस्तार दिया और उनके लिए सेवा नियम (सर्विस रूल्स) तैयार किए। उन्होंने लोक सेवकों के लिए तीन बातों- डिग्निटी, इंटीग्रिटी और इंकरप्टिबिलिटी को रेखांकित किया था।

16 लोकसेवकों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2022-23 तथा 2023-24 के लिए 16 लोक सेवकों में क्रमशः श्री माधव प्रसाद पटेल (माध्यमिक शिक्षक), श्रीमती अदिति गर्ग (तत्कालीन सीईओ आयुष्मान भारत निरामयम योजना), डॉ. इंदिरा दांगी (शिक्षक) आष्टा जिला सीहोर, श्रीमती शारदा डुडवे (माध्यमिक शिक्षक) चंद्रशेखर आजाद नगर, श्री आलोक पौराणिक प्राथमिक शिक्षक पथरिया जिला दमोह, श्री चंद्रमोहन ठाकुर तत्कालीन प्रबंध निदेशक भवन विकास निगम, डॉ. यशपाल सिंह प्राचार्य आवासीय विद्यालय भोपाल, श्री संजय जोशी प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, श्री अमित तोमर तत्कालीन प्रबंध संचालक पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर, श्री ऋषव गुप्ता पूर्व कलेक्टर देवास, श्री गणेश शंकर मिश्रा तत्कालीन प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी, श्री दिव्यांक सिंह तत्कालीन सीईओ स्मार्ट सिटी परियोजना इंदौर, श्री प्रवीण सिंह अढायच पूर्व कलेक्टर सीहोर, प्रो. बेला सचदेवा सहायक प्राध्यापक इंदौर, श्री भूपेंद्र कुमार चौधरी माध्यमिक शिक्षक चिमनाखारी जिला सिवनी तथा सुश्री शीला दाहिमा अतिरिक्त सचिव शिक्षा विभाग को नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए।

नरेला विधानसभा में अमृत 2.0 योजना से सीवेज नेटवर्क का होगा विस्तार

संवाददाता न्यूज ● भोपाल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के समस्त 17 वार्डों के अंतर्गत ह्यअमृत 2.0 योजनाह्न के तहत प्रस्तावित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नरेला क्षेत्र में लगभग 268 किलोमीटर लंबी सीवेज लाइन बिछाई जाएगी, जिससे 50 हजार से अधिक घरों को सीवेज सुविधा से जोड़ा जा सकेगा। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि कार्य प्रारंभ करने से पूर्व वार्डवार सर्वे कर, प्रत्येक घर, गली और नाली की सटीक मैपिंग की जाए ताकि कार्ययोजना वैज्ञानिक ढंग से तैयार की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि खुदाई कार्यों के दौरान नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए प्रत्येक कॉलोनी में एक बार में अधिकतम 200 मीटर क्षेत्र में ही खुदाई की जाए। आईटी तकनीकों का उपयोग सुनिश्चित करें मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि सर्वेक्षण के दौरान ड्रोनटैगिंग तकनीक का उपयोग किया जाए ताकि क्षेत्र का सटीक डिजिटल डेटा तैयार हो सके। साथ ही, उन्होंने एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन विकसित करने के निर्देश भी दिए, जिससे नागरिकों को कार्य की प्रगति की जानकारी सुलभ रूप से उपलब्ध हो सके और पारदर्शता बनी रहे। निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो कार्य बैठक में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हर घर में चैंबर बनाया जाये साथ ही दो वार्डों के मध्य एक पंप स्टेशन बनाया जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं और गुणवत्ता के मानकों से किसी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह योजना नरेला विधानसभा को स्वच्छ, स्वस्थ और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक सकारात्मक परिवर्तन लेकर आएगी।

बैठक

भोपाल में पांच हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। टीला जमालपुरा पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पांच हजार रुपए का इनाम डीसीपी रियाज इकबाल ने घोषित कर रखा था। आरोपी अड़ीबाजी और मारपीट के मामले में फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर राजीवनगर टीला जमालपुरा से उसे रविवार की रात को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक छुरी मिली है। टीआई डीपी सिंह ने बताया कि 2 जनवरी 2025 को कमल पिता रमेश (45) साल निवासी राजीव नगर ने थाना आकर बताया कि सलमान उर्फ पत्ती, आफताब, मुईस द्वारा गाली देकर अड़ीबाजी की गई और मारपीट की गई है। जिसके बाद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। घटना के दो दिन के भीतर आरोपी आफताब और मुईस की

गिरफ्तार

नरवाई-जलाने की सूचना समय पर न देने पर पटवारी सस्पेंड

भोपाल। घटना 20 अप्रैल की है। नीमच के ग्राम रेवली-देवली में किसान ने गेहूं की नरवाई जलाई। पटवारी रविंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया। इसी आधार पर किसान सूरजमल ब्राह्मण के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

प्रशासन का आरोप है कि पटवारी ने नरवाई जलाने की सूचना समय पर नहीं दी। यह उनके कर्तव्य का उल्लंघन है। एसडीएम संजीव साहू ने पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। उनकी जगह रजनीश यादव को प्रभार सौंपा गया।

सस्पेंड

मंत्री श्री पटेल जलगंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में हुए शामिल

संवाददाता न्यूज ● इंदौर

जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने खंडवा विकासखंड के ग्राम कावेश्वर पहुँचकर शिवजी के मंदिर में दर्शन कर जलाभिषेक किया। साथ ही महाराज दयालगिरी का आशीर्वाद लेकर उन्हें शॉल श्रीफल भेंट किये तथा उनके द्वारा लगाये गये पौधे और वृक्षारोपण की प्रशंसा की। मंत्री श्री पटेल ने कावेरी उद्गम स्थल में पूजा अर्चना कर श्रीफल अर्पित कर माता को चुनरी चढ़ाकर आशीर्वाद ग्रहण किया और जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान भी किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री पटेल ने ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि संगम चाहे नदियों का हो, चाहे वृक्षों का हो, वो जीवन देता है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाकर प्रकृति की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि वन को बचाना है तो वनवासियों की तरह सोचना होगा। कावेरी के उद्गम स्थल पर आते ही अलग ही उर्जा की अनुभूति होती है। वृक्ष ही जल का स्त्रोत है, वृक्ष अधिक से अधिक लगाएं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जब मैं मंत्री बना तो मैंने पौधा रोपण के परिणामों को देखा हम पौधा लगाते हैं लेकिन उन्हें वृक्ष नहीं बना पाते। उन्होंने कहा कि जैसे हम अपने बच्चों को बचपन से लेकर बड़े होने तक संरक्षण देते हैं, वैसे ही वृक्ष भी हमारे बच्चों को जीवन देने वाला है, इसलिए उसके लिए भी अपना योगदान दें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत 30 मार्च से उद्गम स्थल पर जाना शुरू किया है। यह मेरी आठवीं नदी का उद्गम स्थल है। इस बार मैंने तीन महीने में संकल्प लिया है कि मध्य प्रदेश से निकलने वाली जो भी नदी का उद्गम होगा वहाँ पर एक बार स्वयं जा कर देखूँगा और कुछ नया कार्य करूँगा। मंत्री श्री पटेल ने कावेश्वर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की। इस दौरान खंडवा विधायक श्रीमति कंचन तनवे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति पिंकी वानखेड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दिव्यदित्य शाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमति निकिता मंडलोई, श्री राजपाल सिंह तोमर एवं खंडवा जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित

असामान्य घटना टालने वाले 50 रेलकर्मी संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

संवाददाता न्यूज ● रायपुर

मण्डल रेल प्रबन्धक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में ड्यूटी के दौरान सतर्कता, सूझ-बूझ एवं सजगता का परिचय देते हुए संभावित असामान्य घटनाओं को टालने वाले 50 रेलकर्मियों को मंडल कार्यालय में प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से सम्मानित किया गया। इन रेलकर्मियों ने अपनी सूझ-बूझ, सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही से गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने का प्रशंसनीय कार्य किया है। इनके प्रयासों से न केवल रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई बल्कि रेलवे संपत्ति की भी सुरक्षा हुई। रेल प्रशासन कर्मचारियों के समर्पण, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करता है और भविष्य में भी इसी प्रकार कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने हेतु प्रेरित करता है।

सम्मानित

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी ने कर्मचारियों के उत्साह, सजगता एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए रेलकर्मियों को निरंतर प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वय श्रीमती रश्मि दिवाकर एवं श्री योगेन्द्र बघेल, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री विजय शंकर गौतम, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक ऐतिहासिक पहल >>

इंदौर में होगा तीन दिवसीय कूल कॉन्क्लेव, डिकार्बनाइजेशन पर रहेगा मुख्य फोकस

संवाददाता न्यूज ● इंदौर

पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक ऐतिहासिक पहल के रूप में, इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एंड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स (आईएसएचआरएई) अपने अध्यक्ष श्री जयंता दास के नेतृत्व में कूल कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन करने जा रही है। यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम 31 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक इंदौर के भव्य शेरेटन ग्रैंड पैलेस में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के कन्वीनर डॉक्टर पंकज धारकर ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में इस के बारे में मीडिया से जानकारी साझा की संवाददाता सम्मेलन का आयोजन होटल शेरेटन ग्रांड पैलेस में किया गया थारीथिंक, रेडिजाइन, रिवाइटलाइज थीम पर आधारित यह आयोजन टिकाऊ विकास और हरित समाधान के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देगा, जिसका प्रमुख विषय डिकार्बनाइजेशन (कार्बन उत्सर्जन में कमी) रहेगा। वर्तमान समय में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संक्रमण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे में एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग) प्रणालियों की भूमिका नेट जीरो लक्ष्यों और पर्यावरणीय संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह कॉन्क्लेव तकनीक, इंजीनियरिंग, वास्तुकला, शहरी नियोजन, शासन, उद्योग, शिक्षा और नीति-निर्माण से जुड़े विशेषज्ञों और

शिक्षा

छात्रों को एक मंच पर लाने जा रहा है। कूल कॉन्क्लेव के चेयरमैन श्री पंकज धारकर ने कहा हम केवल तकनीकी चचाएं नहीं कर रहे, बल्कि एक स्थायी भविष्य की दिशा में एक ठोस रोडमैप तैयार कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ ग्रीन टेक्नोलॉजी को दिखाना नहीं, बल्कि हर पेशेवर और संस्था को इस परिवर्तनशील यात्रा का भागीदार बनाना है। वाइस चेयर श्री निशांत गुप्ता ने जानकारी दी हम ह्यडिकार्बनाइजेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड्सह्न की शुरूआत कर रहे हैं, जो कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए किए गए प्रेरणादायक कार्यों को सम्मानित करेंगे। नामांकन 15 मई से खुले हैं, जो छह विभिन्न श्रेणियों में व्यक्तियों और संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित करते हैं। साथ ही, ज्यूरी द्वारा विशेष सराहना हेतु विशेष पुरस्कार भी दिए जाएंगे। कन्वेनर श्री मितुल शाह ने बताया कूल कॉन्क्लेव 2025 को एक ज्ञान और अनुभव केंद्र के रूप में डिजाइन किया गया है, जहां प्रतिभागी व्यावहारिक नवाचार, इंटरऐक्टिव सत्र और केस स्टडीज के माध्यम से डिकार्बनाइजेशन तकनीकों के विकास को समझ पाएंगे। को-कन्वेनर श्री सुजल शाह ने कहा यह केवल एक औद्योगिक सम्मेलन नहीं है, बल्कि यह बिल्ट एनवायरनमेंट का एक 'महाकुंभ' है, जहां अग्रणी सोच, नवाचार और टिकाऊ विकास के रास्ते एक साथ मिलते हैं। हम सभी हितधारकों से इसमें भाग लेने का आग्रह करते हैं। तकनीकी चचाओं के अलावा, कॉन्क्लेव में एक संगीतमय सांझ और भव्य गाला डिनर जैसी मनोरंजन गतिविधियां भी होंगी, जो सहभागियों को नेटवर्किंग और आपसी मेलजोल का अवसर देंगी। इस आयोजन में तकनीकी प्रदर्शन, नीति संवाद, नेतृत्व सत्र, बी2बी बैठकें, कैटलॉग शो, पुरस्कार समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा। कूल कॉन्क्लेव केवल एक इवेंट नहीं, बल्कि यह तकनीक, नवाचार और पर्यावरणीय चेतना को एक मंच पर लाने वाला एक व्यापक आंदोलन है।

ये नहीं कहा कि मेरा मंदिर है

उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला ने हाल ही में एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर के पास उनका मंदिर है। जब उनसे पूछा गया कि क्या मंदिर में उनकी पूजा होती है, तो उन्होंने कहा जाहिर है मंदिर में पूजा ही होती है। उर्वशी के दावे पर अब विवाद हो गया है। पुजारियों से लेकर लोग भी उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस की टीम ने ऑफिशियल नोट जारी कर इस पर सफाई दी है।

उर्वशी ने कहा कि उत्तराखंड में मेरे नाम का मंदिर हैं, न कि ये कि उर्वशी का मंदिर है। अब लोग चीजों को ढंग से सुनते भी नहीं हैं। बस उर्वशी या मंदिर सुनकर मान लेते हैं कि लोग उर्वशी की पूजा करते हैं।

चाहती हूं साउथ में मेरा मंदिर बने

बताते चलें कि उर्वशी ने इंटरव्यू में साफ कहा था कि उनका मंदिर है, न कि ये कि उनके नाम का मंदिर है। इसके अलावा उन्होंने सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में ये भी कहा कि वो चाहती हैं कि उत्तराखंड के बाद अब साउथ में भी उनका मंदिर बने क्योंकि अब वो साउथ में भी काम कर रही हैं। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या मंदिर में लोग माथा टेकते हैं, तो एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि जाहिर है कि मंदिर है तो लोग पूजा भी करते हैं।

अवनीत कौर

अवनीत कौर इस तस्वीर में अपने बालों को संवारते हुए पोज दे रही हैं। फोटो में वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में अवनीत कौर ने व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ डेनिम जीन्स पहनी है,इसके साथ उन्होंने ब्रांडेड बेल्ड भी लगाई हुई है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं.

मैं राम नहीं दशरथ के रास्ते पर चलता हूं

एक्टर कमल हासन, त्रिशा कृष्णन और सिलंबरासन टीआर उर्फ सिम्बू अपनी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' के प्रचार में व्यस्त हैं। प्रचार के दौरान जब एक्टर्स से शादी के बारे में पूछा गया तो कमल ने दो बार शादी करने की बात कही। इवेंट में एंकर ने सबसे शादी के बारे में उनकी राय पूछी। त्रिशा ने जवाब दिया, 'मैं शादी में विश्वास नहीं करती। अगर शादी होती है तो ठीक है, अगर नहीं होती है तो भी ठीक है।'

भगवान को नहीं मानता

कमल हासन ने तमिल में कहा, 'यह 10-15 साल पहले की बात है। एमपी ब्रिटास मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कॉलेज के छात्रों के एक ग्रुप के सामने मुझसे पूछा- आप एक अच्छे ब्राह्मण परिवार से हैं, आपने दो बार शादी कैसे की? मैंने कहा- अच्छे परिवार से होने का शादी से क्या लेना-देना है? उन्होंने कहा- नहीं, लेकिन आप भगवान राम की पूजा करते हैं, इसलिए आप वैसे ही जीते हैं जैसे उन्होंने जिया। मैंने कहा- सबसे पहले मैं किसी भगवान की पूजा नहीं करता। मैं राम के मार्ग का अनुसरण नहीं करता। शायद मैं उनके पिता दशरथ के मार्ग पर चलता हूं।'

कमल की दो शादियां

साल 1978 में कमल ने डांसर वाणी से शादी की, जिसके बाद उन्होंने 1975 की फिल्म मेलनाट्टू मरुमगल में उनके साथ काम किया। एक दशक बाद उनका तलाक हो गया। उसके बाद उन्होंने सारिका को डेट किया और 1986 में उनकी पहली बेटी श्रुति हासन हुई।

मुंबई के हर भिखारी के पास जैकी श्रॉफ का फोन नंबर, 100 परिवारों का जिम्मा उठा रहे

एक्टर जैकी श्रॉफ, जिनका गरीबों के लिए नानावती अस्पताल में अकाउंट चलता है, तो वहीं वह मुंबई के 100 गरीब परिवारों को कई साल से पाल रहे हैंऔर तो और वह अपनी कमाई का आधा हिस्सा भी गरीबों की मदद में लगा देते हैं।जैकी श्रॉफ, उन स्टार्स में शुमार हैं, जो चुपके से इतनी नेकदिली कर रहे हैं कि जानकर दिल पसीज उठेगा। ये खुद तंगहाली और गरीबी में रहे, पर जब दूसरों के लिए कुछ करने का मौका मिला, तो पीछे नहीं हटे। आज स्थिति ऐसी है कि जब चट्टान जैसी मुश्किलों के बाद जैकी को महलों का साथ और आलीशान जिंदगी मिली, तो उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों को भी साथ ले लिया। जो बात हैरान करती है, वो यह है कि जैकी श्रॉफ तबसे गरीबों की मदद करते और पेट भरते आ रहे हैं, जब वो कुछ भी नहीं थे। यानी बेरोजगार नहीं थे और कोई उन्हें ठीक से जानता भी नहीं था।

1 फरवरी 1957...मुंबई की तीन बत्ती चॉल में एक ऐसे बच्चे का जन्म हुआ, जो आज सैंकड़ों गरीबों की जिंदगी बदल चुका है, और उनके लिए हर मुश्किल में खड़ा रहता है। ज्योतिष काकूभाई श्रॉफ के घर पैदा हुए इस बच्चे का नाम रखा गया जयकिशन काकूभाई श्रॉफ। लेकिन फिल्मों में आने के बाद वह जैकी श्रॉफ और जग्गू दादा के नाम से मशहूर हो गए।

पंत को फायदा; रोहित-विराट ग्रेड ए+ में बरकरार

केंद्रीय अनुबंध में ईशान और श्रेयस की वापसी

एजेंसी ● अहमदाबाद

बीसीसीआई ने साल 2024-2025 के लिए खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की सूची का एलान कर दिया है। इस लिस्ट में कुल 34 खिलाड़ी हैं। चार खिलाड़ियों को ए+ ग्रेड में रखा गया है। वहीं, छह खिलाड़ियों को ए ग्रेड में रखा गया है। पांच खिलाड़ी बी ग्रेड और 19 खिलाड़ी सी ग्रेड में हैं। नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा, अभिषेक शर्मा और वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में जगह मिली है। इन सभी को ग्रेड-सी में रखा गया है। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को फायदा हुआ है। वह ग्रेड-बी से ग्रेड-ए में प्रमोट किए गए हैं। इस केंद्रीय अनुबंध की सबसे बड़ी खबर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर की इस सूची मे वापसी है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध की ए+ श्रेणी में बरकरार रखा गया।ईशान और श्रेयस को बीसीसीआई से अनबन के बाद 2023-24 के केंद्रीय अनुबंध की सूची से बाहर होना पड़ा था। बीसीसीआई के कहने के बावजूद ईशान और श्रेयस ने घरेलू टूनामेंट में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि, अब इन दोनों की वापसी हो गई है। ईशान को ग्रेड-सी और श्रेयस को ग्रेड-बी में रखा गया है। रोहित, विराट और जडेजा टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन इन्हें ग्रेड-ए+ में बरकरार रखा गया है।

यानी ये तीनों आगे कुछ समय तक बीसीसीआई के प्लान में होंगे। यह अनुबंध एक अक्तूबर 2024 से लेकर 30 सितंबर 2025 तक के लिए है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अश्विन को इस सूची से बाहर कर दिया गया है।बीसीसीआई ए+ ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को सालाना सात करोड़ रुपये देता है, जबकि ए ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को पांच करोड़ और बी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को तीन करोड़ और सी ग्रेड में शामिल खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये देता है। बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध की सूची में उन्हीं खिलाड़ियों को जगह मिलती है जो एक साल के अंदर कम से कम तीन टेस्ट, आठ वनडे या 10 टी20 मैच जरूर खेले हों। वरुण चक्रवर्ती ने 18 अंतरराष्ट्रीय मैच (चार वनडे और 12 टी20) खेले हैं और ग्रेड सी के लिए क्वालिफाई किया है। इतने मैच खेल चुका खिलाड़ी अपने आप ग्रेड-सी में शामिल होने के लिए उपयुक्त होगा।

अश्विन लिस्ट से बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा पंत को प्रमोशन मिला है। आवेश खान और शार्दुल ठाकुर पिछले एक साल में ज्यादा मैच नहीं खेल पाए और उन्हें लिस्ट से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी लिस्ट से बाहर हैं। संजू सैमसन के खेलने के बाद से जितेश को मौका नहीं मिला है। वहीं, टेस्ट में विकेटकीपिंग कर चुके केएस भरत को भी लिस्ट से बाहर किया गया है।

विराट कोहली के जश्न मनाने के अंदाज से भड़के श्रेयस अय्यर? मैच के बाद गुस्से में दिखे पंजाब के कप्तान

एजेंसी ● मुल्लांपुर

विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी के दम पर रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को मुल्लांपुर में सात विकेट से हरा दिया। हालांकि, इस मैच में ऑनफील्ड एक विवाद भी देखने को मिला।

जीत के बाद कोहली ने श्रेयस अय्यर के सामने उन्हें दिखाकर इस तरह से जश्न मनाया कि पंजाब के कप्तान उस पर भड़क गए। हाथ मिलाने के दौरान श्रेयस गुस्से में उनके पास पहुंचे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कोहली पंजाब के कप्तान श्रेयस को अपने जश्न मनाने के अंदाज से चिढ़ाते दिखे थे। इस पर पॉइंट में खड़े श्रेयस कुछ कहते हुए कोहली की तरफ बढ़े। जब हैंडशेक के लिए दोनों एक दूसरे के करीब पहुंचे तो कोहली तब भी कुछ हंसते हुए कहते दिखे। इस पर ऐसा लगा कि श्रेयस आपत्ति जता रहे हैं। उनके चेहरे पर न तो हंसी थी और वह गंभीर मुद्रा में नजर आए। इससे साफ था कि वह कोहली के जश्न मनाने के अंदाज से खुश नहीं थे। दोनों के बीच गंभीर बातचीत हुई। हालांकि, कोहली तब भी मुस्कुराते हुए दिखे थे।

सीएसके को लगातार हारते देख थक गए धोनी!

अब अगले साल के लिए सही प्लेइंग-11 की कर रहे तलाश

एजेंसी ● मुंबई

धोनी की कप्तानी में इस सीजन सीएसके को दूसरी हार झेलनी पड़ी। मैच के बाद माही ने कहा- 'हमें यह सोचना होगा कि हम इतनी सफल टीम क्यों रहे हैं क्योंकि हमने अच्छा क्रिकेट खेला है, लेकिन इस समय हमें भावुक भी नहीं होना है।'आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का अब तक का सफर सही नहीं रहा है। टीम आठ में से छह मैच गंवा चुकी है। रविवार को उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ नौ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा।

पांच बार की चैंपियन चेन्नई की टीम फिलहाल अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। हार के बाद कप्तान एमएस धोनी ने अगले साल की तैयारी को लेकर बात छेड़ दी। उन्होंने कहा कि अगर इस साल कुछ नहीं हो रहा तो ध्यान अगले साल के लिए सही प्लेइंग-11 ढूंढने पर होना चाहिए। वहीं, मुंबई के कप्तान हार्दिक ने कहा कि वे सरल क्रिकेट खेलने और अपनी रणनीति को कार्यान्वियत करने पर ध्यान लगा रहे हैं।धोनी ने मैच के बाद कहा, 'हम अच्छा स्कोर बनाने से काफी पीछे थे और हमें पता था कि बाद में ओस पड़ने वाली है। हमें थोड़ा जल्दी आक्रमण शुरू करना चाहिए था क्योंकि बाद में बुमराह को भी आना था जो अंतिम ओवर में गेंदबाजी करने वाले दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। 175 का स्कोर काफी कम था और पहले छह ओवर में ज्यादा रन देने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है।

'अगले साल के लिए सही प्लेइंग-11 तय करें'

हमें यह सोचना है कि हम कहां गलती कर रहे हैं। हमें हर मैच जीतना है, लेकिन हम हर मैच को एक मैच के तौर पर लेंगे। हमें यह सोचना होगा कि हम इतनी सफल टीम क्यों रहे हैं क्योंकि हमने अच्छा क्रिकेट खेला है, लेकिन इस समय हमें भावुक भी नहीं होना है।'धोनी ने कहा, 'उदाहरण के तौर पर साल 2020 हमारे लिए बहुत अच्छा नहीं रहा था, लेकिन हमें यह देखने की जरूरत है कि क्या हम सही क्रिकेट खेल रहे हैं? क्या हम खुद को पूरी तरह उसमें ढाल पा रहे हैं? ये कुछ सवाल हैं जो इस सीजन भी हम ढूंढ रहे हैं। कैच पकड़ने से टीम को मदद मिलेगी। हम आने वाले मैचों में सिर्फ खामियों को दूर करने की कोशिश करेंगे।

हम एक बार में सिर्फ एक मैच के बारे में सोचेंगे। इस दौरान अगर हम कोई मैच हार भी जाते हैं, तो हमारे लिए महत्वपूर्ण यह होगा कि अगले साल के लिए सही प्लेइंग-11 हासिल किया जाए। आप नहीं चाहते अगले साल बहुत सारे खिलाड़ी बदल जाएं। ऐसे में महत्वपूर्ण होगा कि हम इस साल क्वालिफाई करने की कोशिश करें, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो अगले साल के लिए सही प्लेइंग-11 तय करें और मजबूत वापसी करें।'

मैच की बात करें तो वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा (नाबाद 76 रन) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68 रन) के नाबाद अर्धशतकों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 54 गेंद में 114 रन की अटूट साझेदारी की बदलौत चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर सत्र की लगातार तीसरी जीत दर्ज की। रोहित शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 176 रन बनाए थे, लेकिन रोहित और सूर्यकुमार ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, जिससे मुंबई ने 15.4 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर मैच जीत लिया।मुंबई के कप्तान हार्दिक ने मैच के बाद कहा, 'हम जिस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं, जिस तरह से बड़ी स्कोरिंग पिच पर हमने गेंदबाजी और फिर बाद में लक्ष्य हासिल किया वो बेहद अच्छा है। रोहित शर्मा एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो जब लय में होते हैं तो विपक्षी टीम के हाथों से छीनकर अपने दम पर जीत दिला देते हैं। हर खिलाड़ी अपना योगदान दे रहा है। हम सिर्फ सरल क्रिकेट और अपनी रणनीति को अमली-जामा पहनाने पर ध्यान दे रहे हैं।'

कोहली ने डेविड वॉर्नर का यह सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी ● मुल्लांपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान डेविड वॉर्नर का सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आईपीएल 2025 के 37वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को उनके घर पर हरा दिया है। विराट कोहली इस मैच में 73 रन बनाकर नाबाद रहे और उन्होंने आईपीएल में 67वां 50+ स्कोर बनाया। बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 157 रन बना सकी। जवाब में बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ बेंगलुरु की टीम 10 अंक लेकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ गई है।

वहीं, पंजाब की टीम चौथे स्थान पर लुढ़क गई है।कोहली अपनी इस शानदार पारी की मदद से आईपीएल में सर्वाधिक बार 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने इस मामले में वॉर्नर के पीछ छोड़ा जिन्होंने आईपीएल में 66 बार 50+ स्कोर बनाया था। आईपीएल में कोहली के नाम 59 अर्धशतक और आठ शतक हैं।

वह आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने 260 मैचों में 8321 रन बनाए हैं। कोहली 2008 में इस लीग की शुरूआत से ही इसका हिस्सा हैं और पिछले 18 सीजन से आरसीबी के लिए खेल रहे हैं। कोहली इस सीजन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने आठ मैचों में 140 के स्ट्राइक रेट और

64.40 के औसत से 322 रन बनाए हैं। कोहली ने इस सीजन लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन बार अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 59* रन, राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 62* और पंजाब के खिलाफ नाबाद 73 रन बनाए।

कोहली की पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली पांच पारियों की बात करें तो उन्होंने 59, 77, 92, 1 और नाबाद 73 रन बनाए हैं। कोहली अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत इस सीजन ऑरेंज कैप की दौड़ में शामिल हैं। वह फिलहाल इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। कोहली से आगे लखनऊ सुपर जाएंट्स के निकोलस पूरन (368 रन) और गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन (365) हैं। जोस बटलर 315 रन और यशस्वी जायसवाल 307 रनों के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

खुद को प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिलने पर कोहली ने जताई हैरानी, बताया किसे मिलना चाहिए था अवॉर्ड

एजेंसी ● मुल्लांपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली खुद को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिलने पर थोड़े हैरान दिखे। कोहली ने पंजाब किंग्स के खिलाफ नाबाद 73 रनों की पारी खेली जिससे आरसीबी ने पंजाब को सात विकेट से हराया। कोहली टीम के लिए इस मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, लेकिन उन्हें लगता है कि यह अवॉर्ड देवदत्त पडिक्कल या किसी गेंदबाज को मिलना चाहिए था जिन्होंने पंजाब को 157 रन पर रोका। लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली अंत तक टिके रहे जिससे आरसीबी ने 18.5 ओवर में ही लक्ष्य प्राप्त कर लिया। कोहली ने कहा, हर मैच में दो प्वाइंट पाने की मानसिकता होनी चाहिए। मैं और तेजी से आगे बढ़ना चाहता था। मुझे लगा कि पडिक्कल ने आज कुछ अलग किया, यह पुरस्कार उसे मिलना चाहिए, मुझे नहीं पता कि उन्होंने मुझे क्यों दिया। मैं वहीं रहने की कोशिश करता हूं, एक छोर को थामे रखता हूं और बाद में तेजी से आगे बढ़ने की कोशिश करता हूं। हमेशा एक ही तरह से आगे बढ़ते रहने का प्रलोभन रहता है। आरसीबी ने यह जीत इसी टीम के खिलाफ 48 घंटे से भी कम समय पहले मिली हार के बाद दर्ज की है। कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (61) के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी करके टीम की जीत की नींव रखी और इस दौरान सत्र का चौथा अर्धशतक जड़ा। आरसीबी की टीम अब 10 अंक के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।कोहली ने कहा, हमने खुद को अच्छी तरह से तैयार किया है।

'मैं सब कुछ उजागर करूंगा...', पाकिस्तान का पूर्व कप्तान खोलेगा सारे राज, काला सच आएगा सामने?

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने 1990 के दशक में पाकिस्तान और विश्व क्रिकेट को हिलाकर रख देने वाले मैच फिक्सिंग प्रकरण के बारे में अपनी जीवनी में 'सब कुछ उजागर करने' का वादा किया है। उन्होंने कहा कि उनकी आत्मकथा सभी की आंखें खोल देगी।पाकिस्तान के ड्रेसिंग रूम भ्रष्टाचार उजागर करने वाले लतीफ ने कहा कि उन्होंने जीवनी पर काम करना शुरू कर दिया है। लतीफ ने जियो टीवी से कहा, 'मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि मैं सब कुछ उजागर करूंगा और किताब सभी की आंखें खोल देगी।' साल 2004 में संन्यास लेने के बाद से यह पहली बार है जब लतीफ ने अपनी आत्मकथा जारी करने के बारे में बात की है।पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास के सबसे बेहतरीन विकेटकीपर में से एक माने जाने वाले लतीफ ने पहली बार 1994 में मैच फिक्सिंग भ्रष्टाचार प्रकरण की ओर ध्यान आकर्षित किया था, जब उन्होंने और बासित अली ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने जोर देते हुए कहा था कि वे ड्रेसिंग रूम के मौजूदा माहौल में खेलना जारी नहीं रख सकते।लतीफ ने बताया कि कैसे कुछ खिलाड़ी कथित तौर पर मैच हारने में शामिल थे और कैसे उन्हें 'जैसा कहा गया, वैसा करने' के लिए कहा गया था। इससे पाकिस्तान क्रिकेट में 2000/2001 तक एक लंबा घोटाला चला जब मैच फिक्सिंग के आरोपों की न्यायमूर्ति कय्यूम न्यायिक जांच ने सलीम मलिक पर आजीवन प्रतिबंध लगाने और वसीम अकरम, वकार यूनिस, मुश्ताक अहमद सहित अन्य लोगों पर जांच में सहयोग नहीं करने के लिए जुमार्ना लगाने की सिफारिश की।जांच में झूठी गवाही देने के लिए तेज गेंदबाज अता-उर-रहमान पर भी आजीवन प्रतिबंध लगा दिया।

इन दो विदेशी खिलाड़ियों पर फूटा सहवाग का गुस्सा; क्यों हैं नाराज?

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का गुस्सा ग्लेन मैक्सवेल और लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ियों पर फूटा है। सहवाग का कहना है कि इन दो खिलाड़ियों में जीत की भूख कम हो गई है और वे अपनी आईपीएल टीम के लिए योगदान देना भी नहीं चाहते हैं। सहवाग ने इन दोनों खिलाड़ियों की आलोचना करते हुए कहा कि ये बस यहां छुट्टियां मनाने आते हैं। सहवाग ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैक्सवेल और लिविंगस्टोन की भूख खत्म हो गई है।

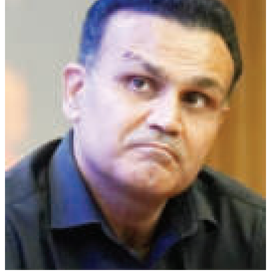

ये यहां बस छुट्टियां मनाने आते हैं। ये यहां आते हैं, मजा करते हैं और चले जाते हैं। इन लोगों में अपनी टीम के लिए लड़ने का जज्बा भी नजर नहीं आता है।' मैक्सवेल अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर खिलाड़ी ने छह मैचों में 8.20 के औसत और करीब 100 के स्ट्राइक रेट से 41 रन बनाए हैं। गेंदबाजी भी उन्होंने चार विकेट लिए हैं और उनकी इकॉनोमी 8.46 की रही है। दूसरी तरफ, लियाम लिविंगस्टोन ने कुछ दम दिखाया और सात मैचों में 87 रन बनाए जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है, लेकिन उनका औसत 17.40 का है। आरसीबी ने लिविंगस्टोन के लिए मेगा नीलामी में 8.75 करोड़ रुपये खर्च किए थे। गेंदबाजी में भी लिविंगस्टोन कुछ खास नहीं कर सके और उन्होंने सिर्फ दो विकेट लिए हैं। सहवाग ने कहा, मैंने कई पूर्व खिलाड़ियों के साथ समय बिताया है, लेकिन सिर्फ एक या दो खिलाड़ियों के साथ ही ऐसा लगा कि वे वाकई टीम के लिए कुछ करना चाहते हैं।

विकेट के लिहाज से मुंबई की दूसरी बड़ी जीत

रोहित-सूर्यकुमार ने टकके लिए की सबसे बड़ी साझेदारी

एजेंसी ● नई दिल्ली

सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा की शानदार साझेदारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को नौ विकेट से हराया। यह आईपीएल में विकेट के लिहाज से मुंबई की दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2008 में वानखेड़े में ही सीएसके को नौ विकेट से हराया था और अब 17 साल बाद मुंबई ने यह कारनामा दोहराया है। मुंबई की आईपीएल में सबसे बड़ी जीत भी सीएसके के खिलाफ रही है। मुंबई ने 2020 में सीएसके को 10 विकेट से हराया था।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 176 रन बनाए थे, लेकिन रोहित और सूर्यकुमार ने दूसरे विकेट लिए शतकीय साझेदारी की जिससे मुंबई ने 15.4 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर मैच जीत लिया। मुंबई के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे रोहित 45 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 76 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंदों पर छह चौके और पांच छक्के की मदद से नाबाद 68 रन बनाए। मुंबई की यह आठ मैचों में चौथी जीत है और वह आठ अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर आ गई है। मुंबई ने गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को पीछे छोड़ दिया है जो सातवें स्थान पर है। वहीं, सीएसके को आठ मैचों में छठी हार का सामना करना पड़ा और वह तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। गुजरात टाइटंस की टीम शीर्ष पर मौजूद है।

रोहित ने अपनी शानदार बल्लेबाजी की मदद से शिखर धवन को पीछे छोड़ दिया और वह आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित के इस टूनार्मेंट में अब 6786 रन हो गए हैं। रोहित से आगे अब सिर्फ विराट कोहली हैं जिन्होंने आईपीएल में 8326 रन बनाए हैं। धवन के नाम आईपीएल में 6769 रन हैं और अब वह इस सूची में तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। लक्ष्य का पीछा करते हुए रियान रिक्लेटन और रोहित ने मुंबई को अच्छी शुरूआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। मुंबई को पहला झटका रिक्लेटन के रूप में लगा जो 19 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। पिछले कुछ बार की तरह इस मैच में भी मुंबई ने रोहित का इस्तेमाल इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर किया।

रोहित पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे थे, लेकिन इस मैच में वह अलग ही लय में नजर आए। रोहित ने इस सीजन का अपना पहला अर्धशतक 33 गेंदों पर जड़ा और फॉर्म में जबरदस्त तरीके से वापसी की। रोहित का साथ सूर्यकुमार ने बखूबी निभाया जो शुरूआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी करते दिखे। सूर्यकुमार ने महज 26 गेंदों पर पचासा पूरा किया। इसके बाद तो सूर्यकुमार अलग ही गियर में नजर आए। सूर्यकुमार और रोहित ने 16वां ओवर डालने आए मथीशा पथिराना को आड़े हाथों लिया और तीन छक्के लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। सूर्यकुमार और रोहित के बीच दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की अविजित साझेदारी हुई। यह आईपीएल के इस सीजन में मुंबई के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी है।

अंटार्कटिका में एकस्ट्रॉम आइस शेल्फ पर पेंगुइन का बच्चे बर्फीले तूफ़ान में...

अंटार्कटिका में एकस्ट्रॉम आइस शेल्फ पर एक सम्राट पेंगुइन का बच्चा बर्फीले तूफ़ान के दौरान अपने माता-पिता से भोजन माँगता है।

शॉर्ट न्यूज

यमन में अमेरिकी हमले,12 लोग मारे गए, 30 घायल

सना । यमन की राजधानी सना के एक बाजार पर अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में 30 लोग घायल भी हुए हैं। हूती के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी के मुताबिक, हवाई हमलों में सना के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक शु'उब के पास स्थित फरवाह बाजार को निशाना बनाया गया। वहां अभी भी राहत और बचाव कार्य जारी है। टीमें मलबे के नीचे दबे लोगों और घायलों को तलाश रही हैं। ये हमले रविवार को सना और उसके आस-पास के कई इलाकों पर हुए बड़े अमेरिकी हवाई हमलों का हिस्सा थे।

बोकारो में 1 करोड़ के इनामी समेत 8 नक्सली ढेर

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा कमांडो और पुलिस के साथ सोमवार सुबह हुई मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ जिले में लालपनिया इलाके के लुगु हिल्स में सुबह करीब साढ़े पांच बजे शुरू हुई। उन्होंने बताया कि '209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन' (कोबरा) के अभियान में आठ नक्सली मारे गए। इनमें एक करोड़ रुपए का इनामी नक्सली भी शामिल है। एक एके सीरीज राइफल, तीन इंसास राइफल, एक 'सेल्फ लोडिंग राइफल' (एसएलआर), आठ देसी बंदूक एवं एक पिस्तौल बरामद की गई।

जमशेदपुर में करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की हत्या

जमशेदपुर । करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार सिंह की जमशेदपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार देर रात हुई इस वारदात से उनके समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और एनएच 33 को जाम कर दिया। रात करीब एक बजे जाम हटा लिया गया। 46 वर्षीय विनय कुमार सिंह जमशेदपुर मानगो आस्था स्पेस टाउनशिप में रहते थे। बताया गया कि रविवार को दिन में वह जमीन कारोबार के काम के सिलसिले में घर से निकले थे। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। रात करीब 11 बजे एनएच-33 (टाटा-रांची रोड) से करीब 500 मीटर अंदर एक कच्ची सड़क पर झाड़ी में उनका शव पड़ा मिला। उनके सिर पर गोली मारने के निशान मिले हैं। शरीर में कई जगहों पर जख्म के निशान भी मिले। वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची।

चार धाम यात्रा: श्रद्धालुओं में भारी उत्साह

पंजीकरण का आंकड़ा 19 लाख के पार

एजेंसी ● देहरादून

यात्रा

उत्तराखंड में 30 अप्रैल से चारधाम यात्रा का शुभारंभ होने जा रहा है। इस यात्रा के शुरू होने से पहले ही लाखों यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। जानकारी के अनुसार, चारधाम यात्रा के लिए अब तक 19 लाख से अधिक यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के लिए 3-3 लाख से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है, जबकि केदारनाथ के लिए सबसे अधिक रजिस्ट्रेशन हुआ है। केदारनाथ के लिए अब तक लगभग 6 लाख 48 हजार से ज्यादा लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन किया है। इसके अलावा, बदरीनाथ धाम के लिए 5 लाख 74 हजार से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया है। इतना ही नहीं, हेमकुंड साहिब जाने के लिए भी 32 हजार से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया है। चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभी से ही उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले रजिस्ट्रेशन कराएं और सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि यात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

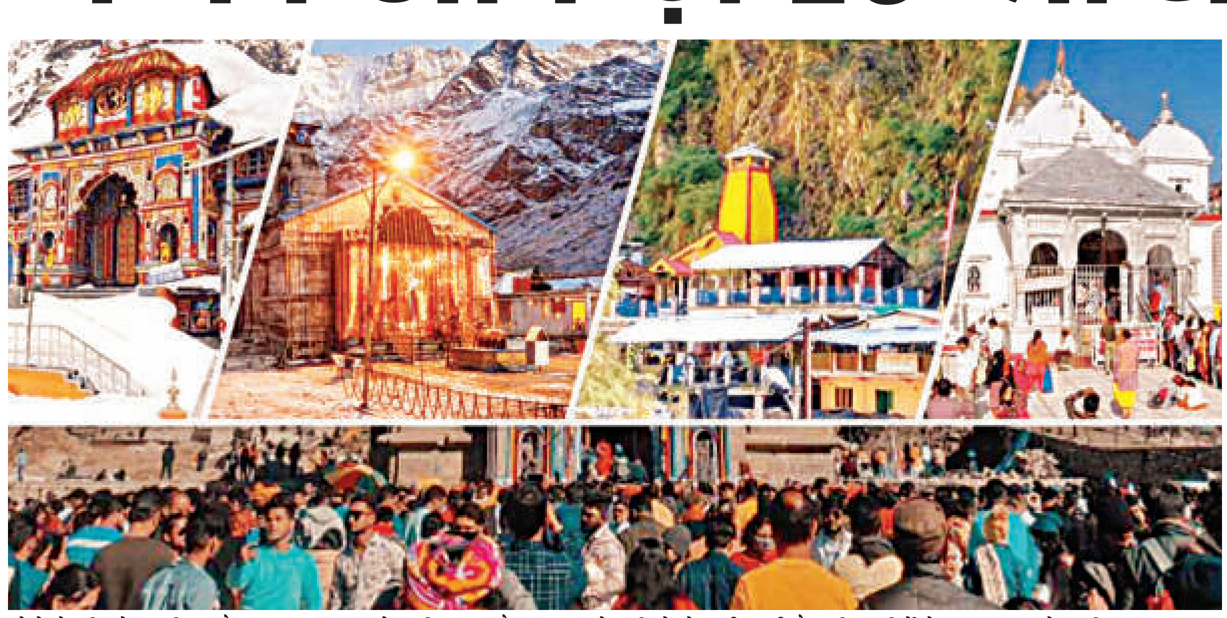

इस बीच, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद नियमित तौर पर चारधाम की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। सीएम धामी ने बीते दिनों देहरादून में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में चारधाम यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया था। उन्होंने बताया था, "हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बिना किसी परेशानी के चारधाम के दर्शन कराए जाएं। इसके लिए यात्रा से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ लगातार संवाद किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा था कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस यात्रा को और सरल बनाने के लिए अगर कोई अतिरिक्त कार्य करने की आवश्यकता होगी, तो उसे तत्काल पूरा किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की कमी न रहे और श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्रदान किया जाए।

हमास का इजरायली बंधकों को मुक्त करने से इनकार

तीन टारगेट पूरे होते ही रोक देंगे जंग : नेतन्याहू

एजेंसी ● तेलअवीव

संघर्ष

इजरायल और हमास के बीच में चल रहे संघर्ष में शांति होने की संभावना फिर से धूमिल हो गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास ने इजरायली बंधकों को मुक्त करने से इनकार कर दिया है। ऐसे में इजरायल के पास गाजा में युद्ध जारी रखने के अलावा कोई दूसरा विकल्प उपलब्ध नहीं है। पीएम ने तीन मुख्य मुद्दों को सामने रखते हुए कहा कि जब तक हम अपने बंधकों को रिहा नहीं करा लेते और यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हमास और गाजा भविष्य में इजरायल के लिए खतरा पैदा नहीं करेगा.. तब तक यह युद्ध खत्म नहीं होगा।

ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं मिलेगा

प्रधानमंत्री ने ईरान को निशाने पर लेते हुए अपनी पुरानी प्रतिज्ञा को भी दोहराते हुए कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं मिलेगा। घरेलू स्तर पर युद्ध विराम तोड़कर दोबारा युद्ध शुरू करने के फैसले को लेकर आलोचना का सामना कर रहे नेतन्याहू ने इजरायली जनता के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमारी तरफ से इजरायल को अस्थायी युद्धविराम के बदले में आधे बंधकों को रिहा करने का प्रस्ताव दिया गया था लेकिन उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया गया है। हमास की तरफ से कहा गया है कि वह इजरायल की गाजा क्षेत्र से वापसी और स्थायी युद्ध विराम के बाद ही शेष बंधकों को रिहा करेगा।

हमारे खिलाफ ट्रंप से डील की तो बुरा होगा अंजाम

टैरिफ वॉर : चीन की दूसरे देशों को खुली धमकी

एजेंसी ● बीजिंग

अमेरिका और चीन के बीच चल रहे टैरिफ वॉर ने नया मोड़ ले लिया है। चीन ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि कोई भी देश अगर अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करता है, जो चीन के हितों के खिलाफ हो, तो वह उसे कभी स्वीकार नहीं करेगा और कड़े जवाबी कदम उठाएगा।

चीन की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब खबरें हैं कि ट्रंप प्रशासन कई देशों पर दबाव बना रहा है कि अगर वे अमेरिका से टैरिफ छूट चाहते हैं तो उन्हें चीन के साथ व्यापार सीमित करना होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर पर 10% तक का समान टैरिफ लगाया है, लेकिन चीन के लिए यह दर 245% तक जा पहुंची है। जवाब में बीजिंग ने भी अमेरिका से आने वाले उत्पादों पर 125% तक शुल्क लगा दिया है। अमेरिका की यह नीति अब वैश्विक व्यापार को संकट में डाल रही है और मंदी की आशंका भी गहराई है।

कनाडा में खालिस्तानियों ने गुरुद्वारे पर लिखे नारे

वैंकूवर। यहां के एक प्रमुख गुरुद्वारे की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिए दिए गए। इससे स्थानीय सिख समुदाय में आक्रोश फैल गया। यह घटना खालसा दीवान सोसाइटी (KDS) गुरुद्वारे में हुई, जिसे आमतौर पर रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारा के रूप में जाना जाता है। गुरुद्वारा प्रशासन ने अपने आधिकारिक एक्स पर तस्वीरें साझा कीं, जिनमें मंदिर की दीवार पर 'खालिस्तान' शब्द लिखा हुआ दिख रहा है। शनिवार की सुबह इस हरकत का पता लगा जब सरे में दुनिया की सबसे बड़ी वैसाखी परेड आयोजित की गई।

कनाडाई मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, वैंकूवर पुलिस विभाग घटना की जांच कर रहा है। एक बयान में केडीएस ने इस कृत्य की निंदा की। इसे समुदाय में डरऔर विभाजन फैलाने के लिए जानबूझकर किया गया प्रयास बताया। गुरुद्वारे ने कहा, "खालिस्तान की वकालत करने वाले सिख अलगाववादियों के एक छोटे समूह ने 'खालिस्तान जिंदाबाद' जैसे विभाजनकारी नारे लगाकर हमारी पवित्र दीवारों को विकृत कर दिया।

गुरुद्वारे ने कहा कि यह घटना ऐसे समय में हुई जब समुदाय खालसा साजना दिवस मनाने के लिए इकट्ठा हुआ था, जो सिख इतिहास में एकता का प्रतीक है। बयान में कहा गया, "ये चरमपंथी हमारे बुजुर्गों के सपनों और बलिदान को कमजोर कर रहे हैं, जिन्होंने विविधता और स्वतंत्रता का जश्न मनाने वाले देश में एक समृद्ध समुदाय के निर्माण के लिए अथक परिश्रम किया।

रूस पर सीजफायर के उल्लंघन का भी आरोप

पुतिन को 30 दिन हवाई हमले रोकने का प्रस्ताव!

एजेंसी ● कीव

प्रस्ताव

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के सामने 30 दिन तक आम लोगों के ऊपर हवाई हमले रोकने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने रूस पर सीजफायर के उल्लंघन का भी आरोप लगाया है। जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट के जरिए पहले शिकायत करते हुए रूस की तरफ से 2000 बार सीजफायर उल्लंघन की बात कही। इसके बाद एयरस्ट्राइक रोकने का भी प्रस्ताव दिया।

जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा ईस्टर के दिन रात 8:00 बजे तक कमांडर-इन-चीफ सिर्स्की की रिपोर्ट। इस घंटे तक, दिन की शुरुआत से, रूसी सेना ने पुतिन के युद्ध विराम का दो हजार से ज्यादा बार उल्लंघन किया है। विभिन्न दिशाओं में हमारे ठिकानों पर पहले ही 67 रूसी हमले हो चुके हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या पोक्रोवस्क दिशा में है। रूसी गोलाबारी के कुल 1,355 मामले थे, जिनमें से 713 में

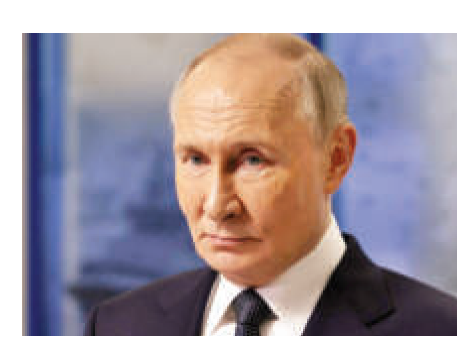

भारी हथियारों का इस्तेमाल किया गया। रूसियों ने 673 बार FPV का भी इस्तेमाल किया। सभी मुख्य फ्रंटलाइन दिशाओं में, रूस युद्ध विराम के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहा है। और लगभग एक पूरा दिन रूस के लिए पूर्ण युद्ध विराम के हमारे यूक्रेनी प्रस्ताव का जवाब देने के लिए पर्याप्त नहीं था - जो अभी से, ईस्टर से शुरू होकर, 30 दिनों तक चलेगा।

हालांकि, आज हवाई हमले की कोई चेतावनी नहीं थी। इसलिए, यह युद्ध विराम का एक ऐसा प्रारूप है, जिसे हासिल किया गया है और इसे आगे बढ़ाना सबसे आसान है। यूक्रेन ने कम से कम 30 दिनों की अवधि के लिए नागरिक बुनियादी ढांचे पर लंबी दूरी के ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके किसी भी हमले को रोकने का प्रस्ताव रखा है, जिसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। अगर रूस इस तरह के कदम के लिए सहमत नहीं होता है, तो यह इस बात का सबूत होगा कि वह केवल वही काम करना जारी रखना चाहता है जो मानव जीवन को नष्ट करते हैं और युद्ध को लंबा खींचते हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)